कार्तिक कृष्ण पक्ष एकादशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 110 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
24 अक्टूबर 2025 शुक्रवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
30 अधिकतम
21 न्यूनतम

Page-7

दीर्घकालिक संभावनाओं के साथ...सादगी पसंद हेमंत की सौम्य टीम

दोपहर मेट्रो समाचार विश्लेषण
राजेश सिरोठिया

प्रदेश बीजेपी के नए अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने प्रदेश कार्यकारिणी की अपनी टीम चुनने में ज़्यादा देरी नहीं लगाई। सादगी पसंद और सुलझे मिजाज को अपने दामन में समेटे हेमंत ने नई टीम में अपनी फितरत के मुताबिक जिन कार्यकर्ताओं को जगह दी है उनके चयन में सियासत की जलेबियां कहीं नहीं दिख रहीं। अपने स्वर्गीय पिता और बैतूल के सांसद रहे विजय खंडेलवाल की कार्यशैली के दीदार उनकी इस टीम में किए जा सकते हैं। उन्होंने टीम में शोभा की सुपारियों को जगह देने के बजाय ऐसे चेहरों को चुना हैं जो भाजपा की तात्कालिक जरूरतों के हिसाब से नहीं बल्कि दीर्घकालिक संभावनाओं को तलाशने और तराशने का काम करेंगे।

उनकी इस टीम को लेकर कुछ लोग कुछ नामों के होने या न होने को लेकर सवाल उठा सकते हैं लेकिन इसमें आज के दौर की सियासत के मुताबिक तीन श्रेणियों के लोगों का समावेश किया गया है। मेरे कहने का आशय उस टीम से है जिसमें जेनुइन, जरूरी और मजबूरी में शुमार किए जाने वाले नाम हों। मसलन कॉलेज के अध्यापक से राज्यसभा का सफर तय करने वाले सुमेर सिंह से है। वे आदिवासी समाज से आते हैं लेकिन काबिलियत में किसी से कमतर नहीं है। कहने को तो डॉ. प्रभुराम चौधरी के बारे में भी कहा जा सकता है, लेकिन चिकित्सीय पृष्ठभूमि के साथ ही इस बात को नहीं भुलाया जा सकता कि वे कमलनाथ सरकार के अधोपतन में भी शरीक थे, लेकिन मोहन यादव काबीना में जगह नहीं बना सके। पार्टी में उन्हें अनुसूचित वर्ग के प्रभावी अहिरवार समुदाय को जोड़ने के अहम दायित्व के तौर देखा जा सकता है। इस समुदाय के लाल सिंह आर्य और विधायक प्रदीप लहरिया जैसे गिने चुने चेहरे ही बीजेपी में हैं जबकि उनसे जुड़े समुदाय के लोगों की प्राथमिकता बीजेपी से पहले बीएसपी और कांग्रेस रही है। यानी चौधरी के कंधों पर इस समाज के ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को बीजेपी की तरफ़ लाने का दायित्व है।

राहुल कोठारी भले ही जैन समाज से आते हों लेकिन पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा और समर्पण संदेह से परे रहा है। पार्टी के पक्ष को विरोधियों के सामने वे मजबूती से रखते आए हैं। उनको महामंत्री पद से नवाजने को भले ही मोहन यादव से जोड़कर देखा जाए पर उन्हें अपने वाजिब इनाम के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। इसी तरह राजेन्द्र सिंह को भले ही शिवराज सिंह चौहान या सुरेंद्र शर्मा को कैलाश विजयवर्गीय की निकटता से लोग जोड़ें लेकिन सिंह ने कुशाभाऊ ठाकरे के साथ लंबे समय तक सहयोगी के बतौर काम किया है तो सुरेंद्र शर्मा ने भी पद की लालसा की परवाह किये बगैर पार्टी के लिए काम किया है। इंदौर के गौरव रनदिवे जैसे युवा चेहरे को मौका दिया गया है जो विधायक टिकट के मजबूत दावेदार के बतौर उभरे थे।

यही नहीं विधानसभा का टिकट नहीं मिलने और प्रदेश भाजपा के मीडिया प्रभारी का काम उम्मीदों के मुताबिक नहीं निभा पाने के बावजूद हेमंत ने उनका उपयोग नए ब्राह्मण चेहरे के रूप में आगे बढ़ाकर पार्टी हित में करने के लिए नई भूमिका के साथ मौका दिया है। इसके साथ आशीष अग्रवाल को प्रदेश मीडिया प्रभारी का दायित्व जारी रखते हुए मीडिया के मोर्चे पर उन्हें और उनकी टीम की पारी को इसी तरह आगे बढ़ाने का अवसर दिया है। उनके मीडिया जगत से सौम्य संबंधों को देखते हुए ही उनका टीम हेमंत में स्थान बरकरार रखकर लोकेंद्र पाराशर के मीडिया प्रभारी के बतौर कड़वे अनुभवों से भी सबक लिया है। शैलेंद्र बरुआ, निशांत खड़े को भी उनकी मेहनत का इनाम देते हुए यह अपेक्षा जताई है की वे अपने काम को और आगे भी विस्तार देंगे। श्याम महाजन को कार्यालय मंत्री का अहम दायित्व भी इसी भाव के साथ सौंपा गया है कि वे रीवा संभाग के संगठन के काम को पूरे प्रदेश के कार्यकर्ताओं के साथ बड़े नेताओं के बीच बेहतर तालमेल बनाकर चलेंगे। महिला चेहरों में लता वानखेड़े और मनीषा सिंह सहित आधा दर्जन काबिल महिला नेतृत्व को जगह देकर नारी समाज को पूरी अहमियत देने की कोशिश की गई है तो इसका यह संदेश भी साफ है कि नारी शक्ति का सम्मान करने में बीजेपी अपने विरोधी दलों से कहीं आगे है। अभी पार्टी के विभिन्न मोर्चा संगठनों के अध्यक्षों के बतौर नियुक्तियां बाकी है। उम्मीद की जाना चाहये की हेमंत इस मोर्चे पर भी खरा उतरने की कोशिश करेंगे।

न्यूज विंडो

विज्ञापन के जादूगर पियूष पांडे का निधन

मुंबई, एजेंसी। भारतीय विज्ञापन जगत की आवाज, मुस्कान और क्रिएटिविटी का चेहरा कहे जाने वाले पियूष पांडे अब हमारे बीच नहीं रहे। 70 साल की उम्र में गुरुवार को उनका निधन हो गया। पांडे सिर्फ एक विज्ञापन एक्सपर्ट नहीं, बल्कि ऐसे कहानीकार थे जिन्होंने भारतीय विज्ञापन को उसकी अपनी भाषा और आत्मा दी। - विस्तृत पेज-8

भारत-कनाडा के रिश्तों में सुधार की शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और कनाडा के बीच राजनयिक संबंधों में सुधार की ओर एक बड़ा कदम उठाया गया है। भारत कनाडा को अपने उतने ही राजनयिकों और अधिकारियों को देश में तैनात करने की अनुमति देगा जितने अक्टूबर 2024 से पहले थे। यह फैसला पिछले साल 2023 में दोनों देशों के बीच हुए राजनयिकों के निष्कासन के बाद आया है।

कॉलेजियम प्रणाली के बचाव में चीफ जस्टिस

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और अगले होने वाले मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने संवैधानिक न्यायालय के न्यायाधीशों के चयन के लिए कॉलेजियम प्रणाली का पुरजोर बचाव किया और कहा कि इसने न्यायपालिका को न्याय प्रशासन में अपनी स्वायत्तता और स्वतंत्रता बनाए रखने में मदद की है। मुख्य न्यायाधीश गवई भूटान के थिम्पू स्थित रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में बोल रहे थे।

हैदराबाद-बेंगलुरु हाई-वे पर कुरनूल में दिल दहलाने वाला हादसा

आग का गोला बनी स्लीपर बस, 20 लोग जिंदा जले

हैदराबाद, एजेंसी

स्लीपर बस में यात्रा अब लोगों को डराने लगी है। पिछले दिनों जैसलमेर में हुई दर्दनाक घटना के बाद अब हैदराबाद-बेंगलुरु हाईवे पर बड़ा हादसा हुआ। कुरनूल में बाइक से टक्कर के बाद आज तड़के एक वॉल्वो स्लीपर बस में आग लग गई जिसमे अब तक 20 लोगों की जिंदा जलकर मौत होने की खबर है। अभी यह आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। बताया जा रहा है कि ये लोग बस में आग लगने के बाद बाहर नहीं निकल पाए और जिंदा जलकर उनकी मौत हो गई। फिलहाल, 20 लोगों की मौत की पुष्टि हो गई है। बस में 40 पैसेंजर्स सवार थे।

यह हादसा तड़के तब हुआ, जब तेज रफ्तार बस की हैदराबाद-बेंगलुरु हाईवे पर एक बाइक से टक्कर हो गई। इसके बाद बस में भयंकर आग लग गई। आग लगने के बाद हाहाकार मच गया और लोग आनन-फानन में निकलने की कोशिश करने लगे। मगर आग की लपेटें इतनी तेज थीं कि वे अंदर ही फंस गए। बताया जाता है कि 20 लोग बस से बाहर निकलने में कामयाब रहे। यह घटना हैदराबाद-बेंगलुरु राजमार्ग पर कुरनूल जिले के चिन्ना टेकुरु गांव की है। जिस बस में आग लगी है वह कावेरी ट्रैवल्स की प्राइवेट बस है।

बर्निंग बस की दर्दनाक कहानी

चश्मदीदों के मुताबिक, बाइक से टक्कर के बाद बस में भयंकर आग लगी। चूंकि यह एक एसी बस थी, इसलिए यात्रियों को खिड़कियां तोड़नी पड़ीं। जो भी शीशे तोड़ पाए, वे सुरक्षित हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक 25 लोगों की जलकर मौत हो गई है। कुछ लोग किसी तरह अपनी जान बचाने में कामयाब रहे। बाकी लोग अंदर ही छटपटाते हुए जिंदा जलकर मर गए। रात होने की वजह से समय पर मदद नहीं मिल पाई, जिसके कारण अधिक जान-माल का नुकसान हुआ। फिलहाल, बचाव और अग्निशमन कार्य जारी है और अधिकारियों ने अभी तक मृतकों की सही संख्या की पुष्टि नहीं की है। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

हादसे -दर-हादसे, सबक नहीं

दरअसल निजी ट्रैवल्स ऑपरेटर यात्रियों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। सैकड़ों बसें देश भर में चल रही हैं जिनमे सुरक्षा मानकों की खुलेआम अनदेखी हो रही है। ज्यादातर निजी बसों में आग बुझाने के उपकरण तक नहीं होते। स्लीपर कोच में गैलेरी (रास्ता) महज पौने दो फीट का होता है। आग या हादसे की स्थिति में यात्री बाहर निकल ही नहीं सकते। बसों की छत पर कैरियर नहीं होना चाहिए, लेकिन ट्रैवल्स बसें छतों पर कपड़ों की गांठों व अन्य ज्वलनशील सामान से लदी दौड़ रही हैं। बसों में आपातकालीन द्वार या तो होते नहीं हैं या ऐसे बंद कर दिए जाते हैं कि वे समय पर खुलते नहीं।

जैसलमेर में 10 दिन पहले गई थी 20 यात्रियों की जान

सरकारी लापरवाही के कारण ऐसे हादसे लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इससे पहले 14 अक्टूबर को ही जैसलमेर के पास भी बस में भीषण बस अग्निकांड हुआ था जिसमे 24 लोगों की जान चली गई थी। यह बस जैसलमेर से जोधपुर जा रही थी। इस दर्दनाक हादसे में एक दर्जन से अधिक यात्री झुलस गए थे, जिनका अभी भी अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना की जांच में सामने आया था कि नॉन ऐसी बस को में बाद में ऐसी लगाया गया था। इसमें शार्ट सर्किट के बाद ही आग लगी थी।

आईएसआई से जुड़े मॉड्यूल का भंडाफोड़, 2 गिरफ्तार

दिल्ली में फिदायीन हमले की साजिश नाकाम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने बड़े आंतकी हमले की साजिश का पर्दाफाश करते हुए ISIS के 2 संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक दिल्ली का रहने वाला है। वे फिदायीन हमलों की ट्रेनिंग ले रहे थे। दूसरा मध्य प्रदेश का रहने वाला है। इन पर राजधानी में एक बड़ा IED धमाका करने की योजना बनाने का आरोप है। खुफिया एजेंसियों और स्पेशल सेल ने मिलकर यह बड़ी कार्रवाई की है।

बाकी सदस्यों की तलाश जारी

सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान की ISI इन ISIS-प्रेरित मॉड्यूल्स को सपोर्ट कर रही है। ऐसा माना जा रहा है कि ISI, ISIS और ISP के नाम का इस्तेमाल कवर के तौर पर कर रही है। फिलहाल यह ऑपरेशन जारी है। सुरक्षा एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने और मॉड्यूल के बाकी सदस्यों का पता लगाने की कोशिश कर रही हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ चल रही है। एजेंसियां उनकी योजनाओं और किसी भी अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क से उनके संबंधों का पता लगाने में जुटी हैं। इस मामले में और भी जानकारी सामने आनी बाकी है।

समस्तीपुर में लोगों से जलवाई मोबाइल फोन की लाइट

मोदी बोले- बिहार को अब लालटेन की जरूरत नहीं दूर रहेगा जंगलराज

पटना, एजेंसी। बिहार में चुनावी का शंखनाद करते हुए पीएम मोदी ने समस्तीपुर में एनडीए के लिए वोट मांगे। इस दौरान महागठबंधन पर जमकर हमला बोला।

पीएम नरेंद्र मोदी ने जनसभा में आए लोगों से मोबाइल की लाइट जलाने के लिए कहा। इसके बाद मोदी ने कहा कि जब इतनी लाइटें हैं तो आपको लालटेन की जरूरत है क्या? उन्होंने कहा कि आज भारत में सबसे ज्यादा सस्ता इंटरनेट उपलब्ध है। एक कप चाय जितनी कीमत में एक जीबी डाटा उपलब्ध हो जाता है। बिहार के युवा इंटरनेट के माध्यम से अच्छी कमाई भी करते हैं। मिथिला का यह क्षेत्र खेती, मछलीपालन और पशुपालन के लिए जाना जाता है।

पीएम ने एनडीए के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि एनडीए का मतलब सुशासन, जनता की सेवा और विकास है। आपका उत्साह देखकर लगता है कि बिहार इस बार एनडीए को अब तक का सबसे बड़ा जनादेश देगा। 2005 का अक्टूबर महीना ही था, जब बिहार ने जंगलराज से मुक्ति पाई थी। नीतीश कुमार ने नेतृत्व में एनडीए का सुशासन शुरू हुआ था। लेकिन, 10 साल तक कांग्रेस और राजद की सरकार रही। यूपीए सरकार ने बिहार को नुकसान पहुंचाने में कोई कमी नहीं रखी।

लालू परिवार हमला

पीएम मोदी ने लालू परिवार पर जमकर हमला बोला। कहा कि इन्होंने क्या किया है? यह मुझे आपको बताने की जरूरत नहीं है। यह लोग हजारों करोड़ के घोटाले के मामले में जमानत पर चल रहे हैं। इन्होंने तो जननायक की उपाधि भी चोरी कर ली है। लेकिन, बिहार के लोग इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। इन लोगों ने बिहार के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है। पीएम मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

सीएम बना तो सिलेंडर 500 रुपए में -तेजस्वी

इधर, महागठबंधन का सीएम फेस बनने के बाद तेजस्वी यादव ने आज से चुनाव प्रचार की शुरुआत कर दी। उन्होंने बख्तियारपुर में कहा, अगर जनता उन्हें मुख्यमंत्री बनाती है, तो बिहार के लोग चिंता मुक्त हो जाएंगे। रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 500 रुपए और वृद्धावस्था पेंशन 1500 रुपए कर दी जाएगी।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर

अकाउंट होल्डर की मृत्यु होने पर पैसे निकालने में होती है परेशानी, 1 नवम्बर से बदलेंगे नियम

बैंक खाते में अब ग्राहकों को मिलेगी एक नहीं चार नॉमिनी रखने की सुविधा, जमा रकम को लेकर नहीं होगा विवाद

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्रालय ने एक बड़ा ऐलान किया है जिसके तहत अब अब बैंक के ग्राहक अपने खाते में एक नहीं, बल्कि चार नॉमिनी (नामांकित व्यक्ति) जोड़ सकेंगे। इस कदम का मकसद पूरे बैंकिंग सिस्टम में नॉमिनेशन की प्रक्रिया को आसान और एक जैसा बनाना है, ताकि क्लेम सेटलमेंट (दावा निपटान) में कोई दिक्कत न आए। बैंकिंग लॉज (संशोधन) एक्ट, 2025 के तहत नॉमिनेशन से जुड़े ये नए नियम 1 नवंबर 2025 से लागू होंगे।

दरअसल, नॉमिनी की मृत्यु होने के बाद भी काफी अकाउंट होल्डर नॉमिनी का नाम नहीं बदलवाते। किसी कारणवश अगर अकाउंट होल्डर की भी मृत्यु हो जाए तो अकाउंट में जमा रकम परिवार के सदस्यों को मिलने में काफी परेशानी होती है। ऐसे में कई तरह की कागजी प्रक्रिया पूरी करनी होती है। इसमें कुछ दिन से लेकर महीने और एक साल से ज्यादा का भी समय लग सकता है। चार नॉमिनी वाला यह नियम ऐसे विवादों से बचाएगा।

बैंक ग्राहक अब एक साथ या बारी-बारी से चार लोगों को नॉमिनी बना सकता है। इससे जमाकर्ताओं और उनके नॉमिनी के लिए क्लेम सेटलमेंट की प्रक्रिया आसान हो जाएगी। जमाकर्ता अपनी पसंद के अनुसार एक साथ या बारी-बारी से नॉमिनी का विकल्प चुन सकते हैं। हालांकि, सुरक्षित अभिरक्षा में रखी वस्तुओं और लॉकरों के लिए केवल बारी-बारी से नॉमिनी की ही अनुमति होगी। इसमें यह व्यवस्था होगी कि पहले नॉमिनी की मृत्यु होने पर ही अगला नॉमिनी व्यक्ति एक्टिव होगा। अगर किसी कारणवश बैंक ग्राहक की मृत्यु हो जाती है तो बैंक में जमा वह रकम उस नॉमिनी को दी जाएगी जो एक्टिव होगा। इससे दावों के निपटान में निरंतरता और उत्तराधिकार की स्पष्टता बनी रहेगी।

लॉकर के लिए भी नियम

नॉमिनी से जुड़े नियम सुरक्षित अभिरक्षा (Safe Custody) और लॉकर के लिए भी बदल जाएंगे। इन मामलों में भी ग्राहक चार नॉमिनी तय कर सकता है। हालांकि इनमें बैंक केवल एक के बाद एक (successive) नॉमिनेशन की अनुमति देंगे। अगला नॉमिनी तभी सक्रिय होगा जब उससे ऊपर वाला नॉमिनी (जिसका नंबर पहले है) जीवित न रहे।

भोपाल का 78वां आलमी तब्लीगी इज्तिमा इस बार और भी भव्य और संगठित रूप में होगा आयोजित

14 से 17 नवंबर तक ईटखेड़ी में होगा विश्व स्तरीय आयोजन

12 लाख जायरीन के लिए 120 एकड़ का पंडाल, 300 एकड़ में होंगे 70 पार्किंग जोन, 30 हजार से अधिक वालेंटियर्स रात-दिन करेंगे काम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल का 78वां आलमी तब्लीगी इज्तिमा इस बार और भी भव्य और संगठित रूप में आयोजित होने जा रहा है। 14 से 17 नवंबर तक ईटखेड़ी में होने वाले इस विश्वस्तरीय आयोजन में करीब 12 लाख से अधिक जायरीन के आने की उम्मीद है। इज्तिमा कमेटी ने पिछले वर्ष की तुलना में सभी व्यवस्थाओं में 20% का इज़ाफ़ा किया है, चाहे वह पंडाल, खानपान, सर्विस एरिया या पार्किंग का विस्तार हो।

कमेटी के मीडिया कोऑर्डिनेटर डॉक्टर उमर हफीज इस बार पंडाल का क्षेत्रफल 100 एकड़ से बढ़ाकर 120 एकड़ कर दिया गया है। वहीं जायरीन की आमद को देखते हुए पार्किंग एरिया को 300 एकड़ से अधिक तक फैला दिया गया है। कुल 70 पार्किंग जोन बनाए जा रहे हैं ताकि ट्रैफिक मैनेजमेंट में कोई दिक्कत न हो। कमेटी प्रभारी डॉ. उमर हफीज के अनुसार, हमारा लक्ष्य 23 अक्टूबर तक 50त्न कार्य पूरा करने का है, उसके बाद समीक्षा बैठक में हर सेक्शन की जांच होगी।

30 हजार प्रशिक्षित लोग संभालेंगे व्यवस्थाएं

पूरे आयोजन की व्यवस्था 30 हजार प्रशिक्षित और अनुभवी लोगों के हाथों में है। इनमें 25 हजार वॉलंटियर्स इज्तिमा कमेटी के हैं और 5 हजार का अमला नगर निगम, प्रशासन और पुलिस बल से जुड़ा है। ये सभी क्राउड मैनेजमेंट, सफाई, सुरक्षा और पंडाल व्यवस्था में अहम भूमिका निभा रहे हैं। भीड़ बढ़ते ही टीम नए टेंट लगाने का काम तुरंत शुरू कर देती है। सफाईकर्मी बोरा लेकर चलते हैं ताकि कहीं भी कचरा इकट्ठा न हो।

20 प्रतिशत बढ़े इंतजाम

कमेटी ने इस बार की तैयारियों में हर स्तर पर 20त्न की वृद्धि की है। लाइटिंग, साउंड, पानी और खानपान व्यवस्था को और मज़बूत किया गया है। सर्विस एरिया में अतिरिक्त ट्यूबवेल और जल टैंकर लगाए जा रहे हैं। फूड ज़ोन का आकार भी बढ़ाया गया है ताकि जायरीन को कतार में ज़्यादा देर न लगानी पड़े।

सुरक्षा और सुविधा-प्रशासन की संयुक्त निगरानी

इज्तिमा स्थल पर इस बार फायर सेफ्टी, मेडिकल यूनिट और ट्रैफिक कंट्रोल के लिए प्रशासन और कमेटी की संयुक्त टीम तैनात रहेगी। एंट्री और एग्ज़िट पॉइंट्स को पुनः डिजाइन किया गया है ताकि आवागमन सुगम रहे। सुरक्षा कारणों से पंडाल की क्षमता 1.80 लाख से घटाकर 1.40 लाख रखी गई है। भोपाल का आलमी तब्लीगी इज्तिमा दुनिया के 5 सबसे बड़े इस्लामिक आयोजनों में से एक माना जाता है। दुनियाभर से इसमें लाखों लोग शामिल होते हैं। दुनिया में केवल 3 देश भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश में इसका आयोजन होता है।

भोपाल की करोंद मंडी में मुहूर्त के सौदे-

5 दिन बाद खुली मंडी, कम मिले भाव सोयाबीन 4501 रुपए क्विंटल बिका

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल की करोंद अनाज मंडी में मुहूर्त के सौदे हुए। पिछले 5 दिन से मंडी बंद थी, जो भाई दूज के दिन खुली है। सुबह व्यापारियों ने कांटे-बांट की पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने किसानों से उनकी गेहूं, सोयाबीन समेत अन्य उपज की खरीदी की। हालांकि, पिछले साल की तुलना में किसानों को 300 से 400 रुपए क्विंटल तक कम मिले।

भोपाल ग्रेन मर्चेंट एंड ऑयल सीड्स एसोसिएशन के प्रवक्ता संजीव जैन ने बताया, धनतेरस (शनिवार) से मंडी में कारोबार बंद हो गया था। गुरुवार सुबह मंडी खुली और व्यापारियों ने पूजा-अर्चना की। इसके बाद मुहूर्त के सौदे हो रहे हैं। दोपहर में दीवाली मिलन समारोह भी हुआ। अध्यक्ष हरीश ज्ञानचंदानी समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

इन्होंने की मुहूर्त की खरीदी

प्रवक्ता जैन ने बताया कि गुरुवार को गेहूं, चना, सोयाबीन और मक्का के भाव में पिछले साल के मुकाबले कमी देखने को मिली। बाजार में मंदी होने की वजह से ऐसा हुआ। सोयाबीन 3500 से 4501 रुपए, मक्का 1000 से 1801 रुपए, गेहूं 2450 से 3100 रुपए बिका। सोयाबीन की आवक 2 हजार क्विंटल, मक्का 400 क्विंटल और गेहूं 500 क्विंटल आया। चने की आवक 100 बोरी ही रही। मुहूर्त के सौदे में दीपक इंटरप्राइजेश ने सोयाबीन की खरीदी 4501 रुपए प्रति क्विंटल में की। जयमाई ट्रेंडिंग कंपनी ने 3101 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से गेहूं खरीदा। वहीं, मां वैष्णो ट्रेडर्स ने 1801 रुपए क्विंटल के हिसाब से मक्का खरीदा।

सबसे पहले खरीदी जाने वाली उपज के अच्छे मिलते हैं दाम

दिवाली के मौके पर व्यापारी अपना कारोबार बंद रखते हैं और भाई-दूज पर मुहूर्त के सौदे करते हैं। सबसे पहले जिस किसान की उपज खरीदी जाती है, उसकी व्यापारी ज्यादा बोली लगाते हैं। इससे किसान को अच्छे दाम मिलते हैं। यही कारण है कि मुहूर्त के सौदे में अपना अनाज बेचने के लिए बड़ी संख्या में किसान एक-दो दिन पहले से ही मंडी में पहुंच जाते हैं। इस बार भी ऐसा ही हुआ। कई किसान पहले से अपनी उपज लेकर मंडी में आ गए थे। अनाज की खरीदी दो सत्र में हो रही है। पहली सुबह 10.30 से दोपहर 12.30 बजे तक हो चुकी है। वहीं, दूसरी दोपहर 3 बजे से होगी।

50 हजार की आबादी पर पुलिस बल का होना चाहिए एक थाना

मप्र में 873 लोगों पर एक पुलिसकर्मी तीन साल में 22 हजार की भर्ती का लक्ष्य

प्रतिवर्ष दो से ढाई हजार पुलिस आरक्षक सेवानिवृत हो रहे हैं।

उप्र ने 2024 में 60 हजार पुलिस आरक्षकों की भर्ती की है।

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में औसतन 873 लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी एक पुलिसकर्मी पर है। मुख्यमंत्री ने तीन वर्ष के भीतर 22,500 पुलिस आरक्षकों की भर्ती की घोषणा की है। इसे सरकार का बड़ा कदम माना जा रहा है, लेकिन सच्चाई है कि प्रतिवर्ष दो से ढाई हजार पुलिस आरक्षक सेवानिवृत हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश ने वर्ष 2024 में 60 हजार पुलिस आरक्षकों की भर्ती की।

इस वर्ष भी वहां पुलिस आरक्षक और उप निरीक्षकों के लगभग 30 हजार पदों पर भर्ती होने वाली है। मध्य प्रदेश में पुलिस बल की कमी के चलते बड़ी चुनौती वर्ष 2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ में सुरक्षा को लेकर रहेगी। इसमें 60 हजार पुलिसकर्मियों की आवश्यकता होगी।

खुफिया तंत्र को मजबूत करने की जरूरत

जिस तरह से अपराध बढे हैं, उस तरह से पुलिसबल की संख्या बढ़ाने के साथ उसे ताकतवर बनाना होगा। विशेष रूप से खुफिया तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता है। सरकार आंकड़े कुछ भी दिखाए, पर स्थिति ठीक नहीं है। जैसे-जैसे बेरोजगारी बढ़ रही है, युवा अपराध की ओर जा रहे हैं। औसतन देखा जाए तो जितने पुलिसकर्मी रिटायर हो रहे हैं, सरकार उतने भी भर्ती नहीं कर पा रही है। - अरुण गुर्टू, पूर्व, डीजी, विशेष पुलिस स्थापना लोकायुक्त

थाने नहीं बढ़ाने से पुलिस बल भी नहीं बढ़ा

प्रदेश में पुलिस आरक्षक से लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तक के एक लाख 25 हजार 489 पद हैं। इनमें अभी एक लाख 600 ही पदस्थ हैं। जब कोई थाना स्वीकृत होता है, तभी उसके लिए बल स्वीकृत किया जाता है। जरूरत के अनुसार थाने नहीं बढ़ने के कारण पुलिस बल भी नहीं बढ़ा। सरकार का ही मापदंड मान लें, तो पचास हजार की आबादी पर जिला पुलिस बल का एक थाना होना चाहिए, इस हिसाब से प्रदेश की अनुमानित आठ करोड़ 90 लाख की जनसंख्या के हिसाब से 1700 से अधिक थाने होने चाहिए, पर अभी 968 ही हैं।

एक साथ भर्ती में यह हैं चुनौतियां

प्रदेश में आठ पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों में 7850 पुलिसकर्मियों के प्रशिक्षण की सुविधा है। उन्हें नौ माह का प्रशिक्षण दिया जाता है। इससे अधिक पदों पर भर्ती होने पर प्रशिक्षण के लिए प्रतीक्षा करनी होगी। पुलिस आरक्षक के पदों पर आनलाइन परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्रों की कमी रहती है। इस कारण कर्मचारी चयन मंडल को परीक्षा कराने में दो से तीन माह लग जाते हैं। इसके बाद शारीरिक दक्षता परीक्षा में दो से तीन माह लग जाते हैं। छह से सात हजार पद भरने में ही लगभग डेढ़ वर्ष लग जा रहे हैं। तीसरा, बजट के अभाव के कारण भी सरकार एक साथ बड़ी भर्ती करने से बच रही है।

मप्र के 9 जिलों में बारिश

लो प्रेशर एरिया की एक्टिविटी से बदला मौसम, भोपाल समेत कई जिलों में छाए रहेंगे बादल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

देश के दक्षिणी हिस्से में लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) एक्टिव है। इसका असर मध्यप्रदेश में भी देखने को मिल रहा है। पिछले 24 घंटे में धार, सतना समेत प्रदेश के 9 जिलों में बारिश हुई। वहीं, भोपाल समेत कई जिलों में बादल छाए रहे। मौसम विभाग के अनुसार, 25, 26 और 27 अक्टूबर को सिस्टम का असर ज्यादा रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, सिस्टम दक्षिण-पूर्व अरब सागर से होते हुए उत्तर-पूर्व हिस्से की तरफ बढ़ रहा है। अगले 24 घंटे से ही एमपी में असर दिखाई देने लगेगा, लेकिन 25 से 27 अक्टूबर के बीच प्रदेश के लगभग आधे हिस्से में हल्की बारिश, गरज-चमक और आंधी की स्थिति बनी रहेगी।

इससे पहले गुरुवार को बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा में हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, पिछले 24 घंटे में अशोकनगर, छतरपुर, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, सतना, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी और धार जिलों में हल्की बारिश दर्ज की गई। गुरुवार को भोपाल में बादल छाए रहे। इस वजह से दिन के तापमान में मामूली गिरावट हुई है। यहां पारा 31.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इंदौर में 32 डिग्री, उज्जैन में 34 डिग्री, ग्वालियर में 33.8 डिग्री और जबलपुर में अधिकतम तापमान 31.9 डिग्री रहा। बैतूल, भोपाल, दतिया, गुना, खंडवा, खरगोन, शिवपुरी, दमोह, जबलपुर, रीवा, सतना, सीधी, उमरिया में भी दिन के तापमान में कमी देखने को मिली। इधर, रात के तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। इस वजह से तेज ठंड का असर नहीं है।

नवंबर-जनवरी में पड़ेगी कड़ाके की सर्दी

मौसम विभाग के अनुसार, नवंबर से कड़ाके की ठंड का दौर शुरू हो जाता है, जो जनवरी तक रहता है। इस बार फरवरी तक ठंड का असर रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि आने वाले सर्दियों के मौसम में 2010 के बाद सबसे भीषण ठंड का एहसास हो सकता है। सर्दियों के दौरान इस बार सामान्य से ज्यादा बारिश देखने को मिल सकती है, उत्तर-पश्चिम भारत के इलाकों में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ अधिक संख्या में प्रभावित करेंगे। आईएमडी ने भी जल्द ही ला-नीना परिस्थितियां विकसित होने की पुष्टि की है।

मप्र का एमएसएमई पंडाल बना आकर्षण का केन्द्र

भोपाल। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत मंडपम में ÷एमएसएमई फॉर भारत÷ सम्मेलन में मध्यप्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल को काफी सराहना मिल रही है और लोगों के आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। ग्वालियर के (ओडीओपी) एक जिला-एक उत्पाद के तहत सैण्डस्टोन की दो इकाइयों श्री साईं राम स्टोन और संेचुरी स्टोन - की कलाकृतियां स्टॉल में प्रदर्शित की गई हैं। स्टॉल पर प्रदर्शित संेचुरी स्टोन से स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाई गई भगवान श्रीराम की मूर्ति ने सभी का मन मोहा।

भोपाल के राजधानी परिसर के पास सीमांकन

बिलखिरिया टीआई ने एसडीएम-तहसीलदार को लिखा था पत्र, कहा- कब्जे से बनेगी विवादित स्थिति

भोपाल। भोपाल के राजधानी परिसर और सिंधु ढाबे के बीच मुख्य बायपास पर एक खाली प्लाट पर कब्जे की शिकायत के बाद उसका सीमांकन किया गया। जिसमें कोई कब्जा सामने नहीं आया। गोविंदपुरा एसडीएम रवीश कुमार श्रीवास्तव के निर्देश पर तहसीलदार सौरभ वर्मा ने सीमांकन कराया था।

पत्र के बाद जांच टीम भेजी

टीआई के पत्र के बाद एसडीएम और तहसीलदार ने पटवारियों की टीम मौके पर भेजी। आवेदक असीम मतीन की भूमि खसरा क्रमांक 171/154/1 रकबा 2.38 हेक्टर भूमि का सीमांकन किया गया आवेदक की भूमि रिक्त होकर मौके पर किसी का कब्जा आदि नहीं पाया गया इस मामले में निर्माण करा रहे रामदास साहू का कहना था कि निजी भूमि पर धार्मिक स्थल बना रहा है। इसके बाद टीम ने जांच प्रतिवेदन एसडीएम और तहसीलदार को सौंपा।

दरअसल, बिलखिरिया थाना प्रभारी ने एसडीएम और तहसीलदार को पत्र लिखा था। इसमें कहा गया था कि राजधानी परिसर और सिंधु ढाबा के बीच मैन बायपास रोड किनारे नाले से लगे एक प्लाट पर कुछ लोग भूमिपूजन करके चबूतरे का निर्माण कर रहे हैं। इसी बीच थाने में हथाईखेड़ा के आसिफ मुनीर पहुंचे और उन्होंने उनकी जमीन पर चबूतरे का निर्माण करने की बात कही। निर्माण को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए। इससे कानून की स्थिति भी बन सकती है।

मेट्रो एंकर

त्योहार पर यात्रियों को राहत, एक दिन की होगी ट्रिप

रानी कमलापति से निजामुद्दीन के बीच चलेगी छठ पूजा स्पेशल ट्रेन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

छठ महापर्व पर घर लौटने वाले यात्रियों के लिए रेल प्रशासन ने राहत की सौगात दी है। अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रानी कमलापति से हजरत निजामुद्दीन के बीच एक ट्रिप छठ पूजा स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

यह ट्रेन शनिवार, 25 अक्टूबर को एक ही दिन दोनों दिशाओं में चलेगी। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि छठ महापर्व पर यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न मार्गों पर पूजा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। यात्री यात्रा से पहले समय और ठहराव की जानकारी एनटीईएस ऐप, रेल मदद 139, या भारतीय रेलवे की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं।

सुबह 7:30 बजे रानी कमलापति से होगी शुरुआत

गाड़ी संख्या 01661 रानी कमलापति-हजरत निजामुद्दीन स्पेशल ट्रेन शनिवार, 25 अक्टूबर को सुबह 7:30 बजे रानी कमलापति स्टेशन से रवाना होगी। यह ट्रेन विदिशा में सुबह 8:28 बजे, बीना में सुबह 9:50 बजे, वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई झांसी में दोपहर 12:45 बजे, ग्वालियर में दोपहर 2:20 बजे, आगरा कैंट में शाम 4:45 बजे और मथुरा में शाम 6ः00 बजे पहुंचेगी। ट्रेन रात 8:15 बजे हजरत निजामुद्दीन स्टेशन पर पहुंचेगी।

रात 9:30 बजे लौटेगी, अगली सुबह भोपाल पहुंचेगी

वापसी में गाड़ी संख्या 01662 हजरत निजामुद्दीन से उसी दिन रात 9:30 बजे रवाना होगी। यह मथुरा में रात 11:55 बजे, आगरा कैंट में रात 12:50 बजे, ग्वालियर में तड़के 2:55 बजे, वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई झांसी में सुबह 5:35 बजे, बीना में सुबह 8:10 बजे, विदिशा में सुबह 9:15 बजे रुकते हुए रविवार सुबह 10:50 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुंचेगी।

इन स्टेशनों पर रहेगा ठहराव- ट्रेन का ठहराव दोनों दिशाओं में विदिशा, बीना, वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई झांसी, ग्वालियर, आगरा कैंट और मथुरा स्टेशनों पर रहेगा।

भोपाल में मप्र का दूसरा सबसे लंबा फ्लाई ओवर

154 करोड़ के ब्रिज के गड्ढों को छुपाने बिछाया डामर उखड़ा

भोपाल, दोहपर मेट्रो

90 डिग्री डिजाइन वाले ब्रिज को लेकर देशभर में सुर्खियां बंटोरने वाला मध्यप्रदेश का लोक निर्माण विभाग महकमा एक बार फिर चर्चा है। अबकी बार यह विभाग भोपाल में एमपी के दूसरे सबसे लंबे ब्रिज को लेकर सवालों के घेरे में आया है। कुल 154 करोड़ रुपए का यह अंबेडकर ब्रिज (जीजी ओवरफ्लाई) पहली बार भी नहीं सहन सका। कई जगह से ब्रिज से डामर की परतें उखड़ गई हैं तो बीच में लगे लोहे के एंगल बाहर झांक रहे हैं। जिम्मेदारों ने गड्ढों को छुपाने के लिए डामर जरूर बिछाया, लेकिन वो भी उखड़ गया। इस वजह से स्पीड में दौड़ती गाड़ियां अचानक थम जाती है। लोहे के एंगल बाहर निकलने से भी हादसे का डर बना रहता है। अफसरों ने बताया कि बारिश के दौरान करीब 10 बार गड्?ढों को भरा गया और डामर की परत बिछाई गई थी, लेकिन अब फिर से यह उखड़ रहा है। अंबेडकर ब्रिज गणेश मंदिर से गायत्री मंदिर के बीच कुल 2900 मीटर लंबा और 15 मीटर चौड़ा है। एक थर्ड लेन सरकारी प्रेस की ओर निकली है। करीब 6 किलोमीटर लंबे इस ब्रिज पर भास्कर टीम घूमी। यहां का एक-एक स्पॉट देखा। जिन जगहों पर लोहे के एंगल लगे हैं, उनके आसपास की सड़क उखड़ गई है। भोपाल हाट की तरफ सड़क पर गड्ढे हैं।

पहले ये 3 खामियां मिल चुकी हैं...

सीमेंट क्रांकीट में खुरदुरापन : फ्लाई ओवर पर वाहन फिसलें नहीं, इसलिए एंटी स्किड (खुरदुरापन) डिजाइन किया गया था, लेकिन यह कहीं ज्यादा तो कहीं कम था। इस कारण गाड़ियां गुजरने पर वाइब्रेशन ज्यादा हो रहा था। इससे वाहन चालकों का ध्यान भटक रहा था।

सरफेस पर दरारें- गणेश मंदिर की ओर से वल्लभ भवन चौराहा की ओर वाली भुजा में कंक्रीट टॉप सरफेस पर छोटे-छोटे क्रेक सामने आए थे। इन्हें केज क्रेक (सिकुड़न वाली दरारें) कहा जाता है। ट्रैफिक का दबाव बढ़ने पर ये क्रेक बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो जाते हैं। अभी भी ऐसे ही हाल है। सरफेस के आसपास का हिस्सा जर्जर हो रहा है।

नए ब्रिज में ही नजर आए पेंचवर्क- जब फ्लाईओवर से ट्रैफिक शुरू हुआ था, तभी कई जगह पर पेंचवर्क नजर आए। फ्लाईओवर की सरफेस से कांक्रीट उखड़ा था, जिसे बाद में ठीक किया गया।

गलती छुपाने डामर की परत बिछाई

शुरुआत में बड़ी गलती सामने आने के बाद उसे छुपाने का काम भी हुआ। पीडब्ल्यूडी ने दोनों ओर पूरे ब्रिज पर ही डामर की परत बिछा दी। इससे राहगीरों को बड़ी राहत मिली, लेकिन यही डामर की परत अब उखड़ गई है। डाक भवन तिराहा यानी, सरकारी प्रेस के पास एक्सपर्ट ने रोटरी की जरूरत बताई थी, जो 10 महीने बाद भी नहीं बन पाई है। इस कारण पर्यावास की तरफ से आने वाले वाहन, फ्लाईओवर पर चढ़ने के लिए उस लेन को क्रॉस कर रहे हैं, जो फ्लाईओवर से उतरने के लिए बनी है। फ्लाईओवर पर वापस चढ़ने में यू टर्न लेने पर हादसा हो सकता है। कई बार गाड़ियां टकराने से बची हैं। दूसरी ओर, यही पर सीवेज सिस्टम भी नहीं बनाया गया। इस कारण बारिश के दौरान दो फीट तक पानी भर गया और लोगों को ब्रिज के ऊपर चढ़ने-उतरने में दिक्कतें हुईं।

नागरिकों को फेसलेस सुविधा

प्रदेश में 45 रोड सेफ्टी एण्ड एनफोर्समेंट चेकिंग प्वाइंट से अब होगी कड़ी निगरानी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

प्रदेश में वाहन चेकिंग की पारदर्शी व्यवस्था लागू करने तथा सुशासन के उद्देश्य से प्रदेश के समस्त परिवहन चेकपोस्टों को बंद कर दिया गया है। इनके स्थान पर परिवहन विभाग ने 45 रोड सेफ्टी एण्ड एनफोर्समेंट चेकिंग प्वाइंट प्रारम्भ कर दिए हैं।

इन पर पदस्थ प्रवर्तन बल द्वारा बॉडीवोर्न कैमरों की निगरानी में पीओएस मशीन के माध्यम से वाहनों के विरुद्ध ऑनलाइन चालानी कार्यवाही की जा रही है। इज ऑफ डुइंग बिजनेस के अंतर्गत इन प्वाइंट पर द्वारा अहम निर्णय लेते हुए प्रदेश में प्रवेश करने वाले अन्य राज्यों के वाहनों द्वारा ई-चेकपोस्ट मॉड्यूल के माध्यम से ऑनलाइन मोटरयान कर जमा करने की सुविधा दी गई है। परिवहन विभाग ने इस वर्ष 5 हजार 693 करोड़ रूपये का राजस्व संग्रहण का लक्ष्य रखा है। पिछले वर्ष 2024-25 में परिवहन विभाग ने करीब 4 हजार 875 करोड़ रूपये का राजस्व संग्रहण किया था। यह राजस्व वर्ष 2023-24 के मुकाबले 5.83 प्रतिशत अधिक रहा है।

प्रदेश में बनाये गये सुविधा केन्द्र

परिवहन विभाग की प्रक्रिया को सरल बनाने तथा आम जनता को सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वाहनों के रजिस्ट्रेशन, परमिट तथा ड्राइविंग लाइसेंस आदि से संबंधित अधिकतर सेवाओं को एनआईसी के पोर्टल वाहन तथा सारथी के माध्यम से फेसलेस प्रदान किया जाना प्रारम्भ किया गया है, जिसमें आवेदक को कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं होती। आमजन को परिवहन विभाग की सेवाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन करने में सहायता करने के लिए सीएससी सेंटर्स के अतिरिक्त एमपी ऑनलाइन सेंटर्स को भी राज्य सरकार द्वारा सुविधा केन्द्र के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। आम जनता की सुविधा के लिये वाहनों के पंजीयन प्रमाण पत्र एवं ड्राइविंग लाइसेंस डिजिटल रूप से रख सकने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा आवेदकों को ड्राइ?विंग लाईसेंस एवं पंजीयन प्रमाण पत्र इलेक्ट्रानिक रूप में जारी किया जाना प्रारंभ किया गया है।

राष्ट्रीय बालरंग भोपाल में 5 को, व्यवस्थाओं को लेकर हुई अहम बैठक

भोपाल, दोहपर मेट्रो

भोपाल में राष्ट्रीय बालरंग-2025 इस वर्ष 5 दिसम्बर को इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय परिसर, श्यामला हिल्स, भोपाल में आयोजित होगा। आयोजन की व्यवस्था एवं तैयारियों को लेकर संचालक श्री डी.एस. कुशवाह की अध्यक्षता में गुरूवार को लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल में बैठक हुई। बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय बालरंग में 20 से अधिक राज्यों के स्कूल के विद्यार्थी अपने राज्यों की लोक संस्कृति पर आधारित प्रस्तुतियाँ देंगे। बालरंग में 500 से अधिक विद्यार्थी भागीदारी करेंगे। इसी के साथ बालरंग में 5 हजार विद्यार्थी सहभागिता कर एक भारत-श्रेष्ठ भारत की थीम पर राज्यों की लोक कलाओं से परिचित हो सकेंगे। बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय बालरंग का आयोजन वर्ष 2005 से निरंतर भोपाल में हो रहा है। बैठक में विद्यार्थियों के आवास, परिवहन एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की गयी। विभिन्न राज्यों से आये विद्यार्थियों को भोपाल के नजदीक पुरातत्व धरोहर भोजपुर, भीमबेटका और साँची का भ्रमण भी कराया जायेगा।

शिफ्टिंग से पहले होगा फेंसिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर का काम

नौरादेही में चीते बसाने कैंपा फंड से चार करोड़ मंजूर, एनटीसीए ने दी पहली किस्त

भोपाल, दोहपर मेट्रो

नौरादेही अभ्यारण्य (वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व) को चीतों का नया ठिकाना बनाने के लिए एनटीसीए (नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी) ने सेंट्रल कैंपा फंड से 4 करोड़ रुपए जारी किए हैं। यह पहली किस्त होगी। दूसरी किस्त के लिए एनटीसीए 3 करोड़ रुपए देगा। इसके बाद 2339 वर्ग किमी क्षेत्र में फैले प्रदेश के सबसे बड़े टाइगर रिजर्व नौरादेही में चीते बसाए जाएंगे।

नौरादेही की सिंघपुर, मोहली और झापा फॉरेस्ट रेंज को चीतों के सबसे बेस्ट माना गया। एनटीसीए की टीम जल्द इन तीनों रेंज का दौरा करेगी। सागर और दमोह जिलों में फैले नौरादेही के जंगलों में 4 क्वारैंटाइन बोमा और 1 सॉफ्ट रिलीज बोमा तैयार किए जाएंगे। इसके लिए फेंसिंग और इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट का काम जल्द शुरू होगा। सिंघपुर रेंज को क्वारैंटाइन बोमा साइट के रूप में चुना जा सकता है। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि वर्ष 2026 में नौरादेही में चीतों को ले जाया जा सकता है। अगर अफ्रीका से चीते नहीं आते, तो कूनो में जन्मे शावक, जो अगले साल तक एडल्ट हो जाएंगे, उन्हें नौरादेही शिफ्ट किया जाएगा। 1975 में अस्तित्व में आया यह अभ्यारण्य 50 से 70 चीतों को आश्रय दे सकता है।

13 गांव होंगे विस्थापित

चार महीने पहले दौरे पर आई एनटीसीए की टीम के वन उप महानिरीक्षक वैभव माथुर की मौजूदगी वाली निरीक्षण टीम जिन तीन रेंज मोहली, झापा और सिंगपुर को चीतों के रहवास के लिए उचित माना है, उसमें कुल

13 गांव हैं। जहां के लोगों का पुनर्वास किया जाएगा, यहां 30 किलोमीटर के क्षेत्र को बाड़ेबंदी भी की जाएगी। इन 13 गांवों के पुनर्वास के लिए 150 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि मांगी गई है। अभयारण्य में रिक्त पदों को भरने के लिए नौरादेही में पशु चिकित्सकों की भी तैनाती की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार नौरादेही अभयारण्य में कुल 93 गांव थे, जिनमें से 44 को बाहर स्थानांतरित कर दिया गया है। 49 गांव अभी भी अभयारण्य के भीतर हैं। वन विभाग वर्तमान में तीन और गांवों के लोगों के पुनर्वास का काम कर रहा है जबकि मोहली गांव सहित सात अन्य गांवों को इस साल के अंत में पुनर्वास के लिए चुना जाएगा।

2022-23 में कूनो में लाए गए हैं चीते

वर्ष 1952 में भारत में चीतों के विलुप्त होने के बाद सितंबर 2022 में नामीबिया से 8 चीतों को लाया गया था। फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से और 12 चीतों को लाया गया। इन्हें भी कूनो में रखा गया जिससे भारत में चीतों की कुल संख्या 20 हो गई। पिछले दो वर्षों में इन चीतों ने कुल 26 शावकों को जन्म दिया, लेकिन केवल 19 ही जीवित बचे। 12 वयस्क और 19 शावकों के साथ, भारत में चीतों की कुल संख्या वर्तमान में 31 है। इस साल अप्रैल में दक्षिण अफ्रीका से लाए गए 12 चीतों में से दो वयस्क नर चीते, पवन और प्रभास को गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में स्थानांतरित कर दिया गया था जिसे देश में बड़ी बिल्लियों के लिए दूसरे घर के रूप में विकसित किया गया है।

संयुक्त राष्ट्र के 81 वर्ष

24 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र संगठन (यूएनओ) अपनी स्थापना के 81वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। 1945 में जब यह संस्था द्वितीय विश्व युद्ध की राख से जन्मी थी, तब इसके चार्टर में एक ही संकल्प था - विश्व शांति, सहयोग और समानता की रक्षा। यह वह सपना था जो मानवता को युद्ध की भयावहता से मुक्त करने के लिए देखा गया था। पर आज, जब विश्व व्यवस्था नए संकटों, युद्धों और विभाजनों से जूझ रही है, तब वही संस्था अपने मूल उद्देश्यों से भटकती प्रतीत होती है। संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में यह विडंबना हमेशा बनी रही कि जिसने वैश्विक लोकतंत्र की अवधारणा दी, वही संस्था कुछ देशों की राजनीतिक इच्छाओं की बंधक बन गई। सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्य - अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन - आज भी वीटो शक्ति के माध्यम से विश्व के सामूहिक निर्णयों को नियंत्रित करते हैं। परिणामस्वरूप, चाहे रूस-यूक्रेन का युद्ध हो, गाजा की त्रासदी हो या म्यांमार का संकट - संयुक्त राष्ट्र बार-बार असहाय और अप्रभावी साबित हुआ है। जब एक देश का 'ना' पूरी दुनिया की 'हां' पर भारी पड़ जाए, तो यह संगठन अपने ही चार्टर की आत्मा से विमुख हो जाता है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 सितंबर 2020 को संयुक्त राष्ट्र के 75वें अधिवेशन में इसी अन्यायपूर्ण व्यवस्था को चुनौती दी थी। उनका प्रश्न सीधा और तीखा था - भारत जैसे देश को सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए और कब तक इंतजार करना होगा? यह प्रश्न केवल भारत का नहीं, बल्कि उस पूरे विश्व समुदाय का है जो विकासशील और उभरते देशों का प्रतिनिधित्व करता है। भारत आज विश्व की सबसे बड़ी जनसंख्या, चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सबसे व्यापक लोकतंत्र वाला राष्ट्र है। शांति अभियानों में भारत का योगदान अद्वितीय है - 1950 के दशक से अब तक भारत ने 50 से अधिक यूएन मिशनों में लगभग तीन लाख सैनिक भेजे हैं। आज भी सात हजार से अधिक भारतीय सैनिक और पुलिसकर्मी विश्व शांति अभियानों में सेवा दे रहे हैं। भारत का यह योगदान केवल सैन्य नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टि से भी असाधारण है। फिर भी, वह निर्णय लेने वाली मेज पर अनुपस्थित है - यह स्थिति अन्यायपूर्ण और अस्थिर दोनों है। दुनिया अब 1945 की नहीं रही। संघर्षों की प्रकृति बदल चुकी है - अब युद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं, बल्कि जलवायु संकट, साइबर हमले, आतंकवाद, महामारी और प्रवासन जैसी नई चुनौतियों में परिवर्तित हो चुके हैं। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र का ढांचा, जो औपनिवेशिक युग की शक्ति-संतुलन की सोच पर आधारित था, अब अप्रासंगिक होता जा रहा है।

बच्चों से भीख मंगवाना एक सामाजिक अपराध, जागरूकता और शिक्षा जरूरी

डॉ प्रियंका सौरभ
स्वतंत्र टिप्पणीकार

किसी के भी जीवन की सबसे अमूल्य संपत्ति बचपन है। खेलना, पढ़ना, सीखना और सुरक्षित वातावरण में बड़े होना, हर बच्चे का अधिकार है। लेकिन बच्चों का शोषण, भीख मंगवाने के लिए उनका इस्तेमाल और उनकी मासूमियत का लाभ उठाना आज गंभीर सामाजिक समस्या बन चुका है। भीख मंगवाना व्यक्तिगत समस्या नहीं है; यह एक व्यवस्थित व्यवसाय बन चुका है। छोटे-बड़े शहरों में यह आम दृश्य है कि मासूम बच्चे हाथ में थाली, कपड़े या किसी वस्तु के साथ चलते हैं और लोग उनके मासूम चेहरों पर दया दिखा कर पैसे डाल देते हैं। यह न केवल बच्चों के बचपन को छीनता है, बल्कि उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से भी प्रभावित करता है। समाज की जागरूकता की कमी, लोगों का दया भाव और कुछ परिवारों की आर्थिक मजबूरी मिलकर इस समस्या को बढ़ावा देते हैं। यह सिर्फ गरीबी का नतीजा नहीं बल्कि बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन भी है।

बचपन किसी भी मानव जीवन का सबसे महत्वपूर्ण और संवेदनशील हिस्सा होता है। यह वह समय है जब बच्चे सीखते हैं, अनुभव प्राप्त करते हैं और अपनी पहचान बनाते हैं। लेकिन जब बच्चों को भीख मंगवाने या किसी अन्य शोषण के लिए मजबूर किया जाता है, तो उनका विकास बाधित होता है। भीख मंगवाना कभी-कभी आर्थिक मजबूरी का नतीजा हो सकता है, लेकिन जब यह नियमित रूप से होता है और बच्चे को मजबूर किया जाता है, तो यह शोषण बन जाता है। मासूमियत का फायदा उठाकर बच्चों से पैसे कमाना एक नैतिक अपराध है। समाज की भूमिका यहां महत्वपूर्ण बन जाती है। लोग यह सोचकर पैसा देते हैं कि वे मदद कर रहे हैं, लेकिन वास्तव में वे बच्चों के शोषण को प्रोत्साहित कर रहे हैं। माता-पिता और परिवार की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने बच्चों को इस तरह की गतिविधियों से बचाएं।

भारत में बाल श्रम और बच्चों से भीख मंगवाने को रोकने के लिए कई कानून हैं। बाल श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम बच्चों को मजदूरी और शोषण से बचाने के लिए बनाया गया है। इसके अलावा, चाइल्डलाइन 1098 जैसी सेवाएँ 24×7 बच्चों की मदद के लिए उपलब्ध हैं। एनजीओ और सामाजिक संगठन भी सक्रिय रूप से बच्चों को शोषण से बचाने और उन्हें शिक्षा उपलब्ध कराने का काम कर रहे हैं। लेकिन वास्तविक चुनौती यह है कि कई बार बच्चे और उनके माता-पिता कानूनी संरचना से अनजान रहते हैं और शोषण नेटवर्क इतने संगठित होते हैं कि उन्हें पकड़ना मुश्किल होता है। सरकार और समाज को मिलकर बच्चों की सुरक्षा के लिए जागरूकता फैलानी होगी और उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन देना होगा। समाज का दया भाव और सहानुभूति अक्सर बच्चों के शोषण का कारण बन जाती है। अगर लोग बच्चों को भीख देने के बजाय सही तरीके से मदद करें, तो वे शोषण को बढ़ने से रोक सकते हैं। स्थानीय समुदाय, स्कूल, माता-पिता और पड़ोसी मिलकर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। बच्चों को सुरक्षित वातावरण, शिक्षा और खेलकूद का अवसर देना उनके विकास के लिए जरूरी है। समाज को यह समझना होगा कि केवल पैसे देना बच्चों की मदद नहीं है। सही कार्रवाई, जैसे एनजीओ, चाइल्ड लाइन और सामाजिक संस्थाओं को सूचित करना ही बच्चों को शोषण से बचा सकती है। भीख मंगवाना कई जगहों पर आर्थिक व्यवसाय बन चुका है। कुछ परिवार और नेटवर्क मासूम बच्चों को इस्तेमाल करके पूरे दिन हजारों रुपये कमाते हैं। यह सिर्फ बच्चों की मासूमियत का फायदा उठाना नहीं है, बल्कि उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से प्रभावित करना भी है। पैसा देने वाले लोग यह सोचते हैं कि वे दया कर रहे हैं लेकिन असल में वे इस प्रणाली को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। यह एक चक्र बन जाता है, जिसमें बच्चों का शोषण जारी रहता है। बच्चों के भविष्य और समाज की नैतिक जिम्मेदारी के लिहाज से यह गंभीर समस्या है। इस समस्या का समाधान समाज, सरकार और नागरिकों के मिलकर काम करने में है। बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा के लिए कदम उठाना जरूरी है।

पैसे देने की बजाय मदद करें। बच्चों को भीख देने के बजाय उन्हें शिक्षा, खेल और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाएं। बच्चों की सुरक्षा के लिए चाइल्ड लाइन (1098) और मान्यता प्राप्त एनजीओ से संपर्क करें। समाज में बच्चों के अधिकारों और शोषण की समस्या के बारे में जागरूकता बढ़ाएं। स्कूल, माता-पिता और पड़ोसी मिलकर बच्चों के सुरक्षित वातावरण को सुनिश्चित करें। सिर्फ दया भाव या छोटे पैसों से बच्चों की मदद नहीं होगी। सही कार्रवाई, जागरूकता और कानूनी उपाय ही उन्हें बचा सकते हैं। समाज, सरकार और नागरिकों के मिलकर सही कदम उठाने से ही इस समस्या का समाधान संभव है। जागरूकता, शिक्षा और सहयोग से ही हम बच्चों को उनका बचपन वापस दिला सकते हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रख सकते हैं।

बांग्लादेश पर आईएमएफ का रुख अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंता का प्रतीक

डॉ. मयंक चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

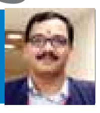

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का हालिया निर्णय, जिसमें उसने बांग्लादेश की नई सरकार बनने तक अगली किस्त जारी करने से इनकार किया है, इसके माध्यम से बता दिया है कि यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय की उस गहरी चिंता का प्रतीक है जो इस देश के शासन तंत्र की नीतिगत सड़ांध और नैतिक गिरावट को देख रही है।

वस्तुतः आईएमएफ ने बांग्लादेश को बड़ा झटका दिया है। संगठन ने साफ कर दिया है कि वह लोन की छठी किस्त तब तक जारी नहीं करेगा, जब तक बांग्लादेश में स्थायी, निर्वाचित और वैधानिक सरकार नहीं बन जाती। आईएमएफ ने जनवरी 2023 में बांग्लादेश के लिए 5.5 अरब डॉलर का पैकेज स्वीकृत किया था। इस राशि का उद्देश्य था; विदेशी मुद्रा भंडार को स्थिर करना, मुद्रा 'टका' की गिरावट रोकना और बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण पाना। पाँच किस्तों में से 3.6 अरब डॉलर पहले ही जारी किए जा चुके हैं लेकिन करीब 800 मिलियन डॉलर की छठी किस्त रोक दी गई है।

अब आईएमएफ के इस फैसले को महज आर्थिक कदम मानना भूल होगी। यह एक प्रकार का राजनीतिक और नैतिक दबाव है, जो संकेत देता है कि अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान बजट या बैलेंस शीट नहीं देखते बल्कि यह भी परखते हैं कि शासन में पारदर्शिता, नागरिक सुरक्षा और धार्मिक समानता का कितना पालन हो रहा है। देश के भीतर प्रशासनिक रिश्वतखोरी की स्थिति भयावह है। पासपोर्ट सेवा में 75 प्रतिशत, वाहन पंजीकरण में 72 प्रतिशत और न्यायिक सेवाओं में 34 प्रतिशत लोगों को रिश्वत देनी पड़ती है। यह स्थिति केवल आर्थिक नुकसान नहीं पहुंचाती बल्कि नागरिकों के बीच शासन के प्रति अविश्वास भी पैदा करती है। माना जा रहा है कि आईएमएफ का भरोसा टूटने का एक कारण यह भी है, क्योंकि किसी भी आर्थिक सुधार को लागू करने के लिए सबसे पहले प्रशासनिक ईमानदारी और पारदर्शिता चाहिए, जो ढाका में दुर्लभ है।

यूनुस सरकार पर बढ़ता दबाव: नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस, जिन्हें कभी गरीबों का मसीहा कहा गया, आज उसी मंच पर आलोचना का केंद्र बने हुए हैं। साल 2024 में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद यूनुस ने सेना समर्थित अंतरिम सरकार का नेतृत्व संभाला लेकिन वह न तो आर्थिक स्थिरता दे पाए न राजनीतिक भरोसा। आईएमएफ, विश्व बैंक और विदेशी निवेशक, सभी ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वे केवल एक लोकतांत्रिक, जनादेश-आधारित सरकार के साथ ही दीर्घकालिक सहयोग करेंगे।

धार्मिक उत्पीड़न और आर्थिक अस्थिरता: बांग्लादेश की आर्थिक गिरावट केवल वित्तीय अनुशासन की कमी से नहीं, बल्कि सामाजिक असमानता और धार्मिक उत्पीड़न से भी जुड़ी है। जब किसी समाज में भय का वातावरण होता है, जब नागरिकों को सुरक्षा नहीं मिलती, तो निवेशकों का भरोसा भी डगमगाने लगता है। आईएमएफ और अन्य वैश्विक संस्थान इन संकेतों को गंभीरता से लेते हैं। हिंदू समुदाय, जो बांग्लादेश की कुल आबादी का लगभग 8 प्रतिशत है, ऐतिहासिक रूप से व्यापार, शिक्षा और पेशेवर वर्गों में प्रमुख भूमिका निभाता रहा है। जब इस समुदाय को निशाना बनाया जाता है, तो स्थानीय बाजार और उत्पादन चक्र कमजोर पड़ते हैं। उद्योग-धंधों में अस्थिरता आती है और उपभोक्ता विश्वास टूटता है। यह सीधे जीडीपी और रोजगार दर को प्रभावित करता है।

भय और उत्पीड़न के बीच जीता हिंदू अल्पसंख्यक: बांग्लादेश का सामाजिक संकट उसकी अर्थव्यवस्था जितना ही गंभीर है। देश में हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय पर लगातार हमले हो रहे हैं। साल 2025 में बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हिंसा अपने चरम पर रही। वर्ष के पहले छह महीनों में ही 250 से अधिक हमले, 27 हत्याएँ, और 60 से ज़्यादा मंदिरों पर हमले हुए। साल 2023 में 302 घटनाएँ, जबकि साल 2024 में (दिसंबर तक) 2,200 से अधिक मामले दर्ज हुए। अगस्त 2024 से अगस्त 2025 के बीच 1,700 से अधिक दर्ज घटनाएँ, कम से कम 23 ज्ञात मौतें और 150 से अधिक मंदिरों को नुक़सान की पुष्टि अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में हुई। जिनमें सैकड़ों हिंदू परिवारों को घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। मानवाधिकार संगठन हिंदू बौद्ध ख्रिश्चियन यूनिटी काउंसिल के अनुसार पिछले एक वर्ष में 1,045 घटनाओं में 45 लोगों की हत्या हुई, 479 घायल हुए और 102 मंदिरों या व्यवसायों को नुकसान पहुंचाया गया। यह स्थिति केवल धार्मिक असहिष्णुता नहीं, बल्कि शासन की निष्क्रियता और सामाजिक नियंत्रण की विफलता का प्रमाण है।

भ्रष्टाचार और शासन की विश्वसनीयता का ह्रास: भ्रष्टाचार और अल्पसंख्यक विरोधी हिंसा, दोनों बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय साख को चोट पहुंचा रहे हैं। विदेशी निवेशक अब ढाका को जोखिमपूर्ण बाजार मानने लगे हैं। वर्ष 2024 के अंत तक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में 18 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि निर्यात वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत से घटकर 3.1 प्रतिशत रह गई। बांग्लादेश बैंक की रिपोर्ट बताती है कि विदेशी मुद्रा भंडार भी एक वर्ष में 39 अरब डॉलर से घटकर 22.5 अरब डॉलर पर आ गया है।

अब आईएमएफ की इस रोक ने बांग्लादेश को एक निर्णायक मोड़ पर ला खड़ा किया है। अगर देश अब भी सुधारों की राह नहीं अपनाता, तो आने वाले महीनों में विदेशी मुद्रा संकट, महंगाई और बेरोजगारी का विकराल रूप सामने आएगा। यहां लगता है, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का बांग्लादेश के लिए संदेश स्पष्ट है; उसे तय करना होगा कि वह किस दिशा में जाना चाहता है; एक ऐसा देश जो भ्रष्टाचार, धार्मिक कट्टरता और राजनीतिक हठ का प्रतीक बने या वह राष्ट्र जो अपनी गलतियों से सबक लेकर स्थायी विकास, सामाजिक न्याय और आर्थिक सशक्तिकरण की राह चुने।

सुविचार

अपने लक्ष्य के लिए जोशीले और जुनूनी बनिए..विश्वास रखिए, परिश्रम का फल सफलता ही है!

-अज्ञात

हेल्थ टिप्स

देसी जड़ी बूटियों का काढ़ा, प्रदूषण से फेफड़ों को बचाने का रक्षा कवच

दीपावली का त्यौहार तो निकल गया लेकिन उसका असर अब भी हवाओं में नजर आ रहा है जो कि हर साल देखने को मिलता है। इस त्योहार का उत्सव मनाने के लिए लोग ढेर सारे पटाखे जलाते हैं जिसके चलते एयर क्वालिटी पर काफी नकारात्मक असर पड़ता है और हवा प्रदूषित हो जाती है। जैसा कि हम जानते हैं जहरीली हवा में सांस लेने से फेफड़ों को काफी ज्यादा नुकसान पहुंचता है, लेकिन ऐसा तो बिल्कुल भी संभव नहीं है कि आप पूरी तरह से इस प्रदूषित हवा से बच सकें, लेकिन एक देसी उपाय आपको और आपकी फेफड़ों की रक्षा जरूर कर सकता है।रोजाना एक काढ़े का सेवन करके इम्यूनिटी को बूस्ट कर सकते हैं। साथ ही फेफड़ों को हवा में घुली गंदगी से पहुंचने वाले नुकसान से भी यह काढ़ा प्रोटेक्ट करता है। इस देसी उपाय की रेसिपी जानी मानी न्यूट्रिशनिस्ट लीमा महाजन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की है।

दिवाली के बाद आमतौर पर AQI यानी एयर क्वालिटी इंडेक्स काफी खराब हो जाता है। AQI स्तर से लोगों को यह पता चलता है कि वायु प्रदूषण बढ़ रहा है या घट रहा है। जब एयर पॉल्यूशन बढ़ता है तो इससे आपकी ओवरऑल पर काफी नराकात्मक असर पड़ता है। इससे आपके फेफड़ों के बीमार पड़ने का भी जोखिम बढ़ जाता है। कुछ प्रकार के वायु प्रदूषक फेफड़ों में गहराई तक जा सकते हैं और सूजन पैदा कर सकते हैं। साथ ही अगर आपको अस्थमा है, तो वायु प्रदूषण एक ट्रिगर साबित हो सकता है।

लंग्स को कर सकते हैं प्रोटेक्ट: एयर क्वालिटी खराब होने पर आप कुछ टिप्स को अपनाकर अपने लंग्स को एयर पॉल्यूशन द्वारा होने वाले नुकसानों से बचा सकते हैं। इसके लिए न्यूट्रिशनिस्ट लीमा महाजन ने एक बेहद असरदार देसी नुस्खा शेयर किया है। उन्होंने अपने एक लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट में बताया कि अगर आप दिवाली के बाद से फरवरी तक डेली एक जड़ी-बूटियों से बना काढ़ा पीते हैं तो इससे इम्यूनिटी को मजबूत करने और वायु प्रदूषण के नुकसानों से बचने में मदद मिल सकती है। तुलसी एक प्राकृतिक डिटॉक्सिफायर है, जो बलगम को साफ करता है और बेहतर सांस लेने में सहायता करता है। लौंग गले की जलन को कम करता है और फेफड़ों के ऊतकों को प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाता है। इसी तरह हल्दी करक्यूमिन सूजन से लड़ता है और आपके शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। गुड़ फेफड़ों के लिए जेंटल क्लींजर की तरह काम करता है, जो महीन धूल और प्रदूषकों को हटाने में मदद करता है। विटामिन सी से भरपूर नीबू मजबूत प्रतिरक्षा और बेहतर ऑक्सीजन प्रवाह के लिए बेहतर माना जाता है।

निशाना

पंछी नहीं मुंडेर पर..!

डॉ.रामकुमार चतुर्वेदी

गांवों की चौपालो में, पीपल की वह छाँव नहीं।
छमछम करती गलियों में, पायल वाले पाँव नहीं।
गायें गुमशुम देख रहीं, चरवाहे की चाहों को।
पगडंडी भी देख रहीं, अनचाही सी राहों को।
राजमहल के शीशे में, खरे- खरे वह गांव नहीं।
पंछी नहीं मुंडेर पर, छतरी छत में लटक रहीं।
इतने सारे चैनल से, इच्छायें मन भटक रहीं।
मन के स्वांग सरोवर को, पार करे वह नाँव नहीं।
खाद मिली खेती जिसमें, बीजों में चमक नहीं है।
क्रीम लगे मुखड़े हैं पर, आभा में दमक नहीं हैं।
जीवन की भूल भुलैया, जिसमें सही लगाव नहीं।
मन के प्रेम झरोखे में, रोम-रोम पुलकित कर दे।
प्रेम तराना गा गाकर, मन मन में अंकित कर दे।
भाव समेटे बैठा हूँ, जीवन में वह भाव नहीं
अंदेशो की नगरी में, अंधेर के अंबार हैं।
संदेशों के खबरी से, भ्रमर करते गुंजार है।
भूखे तन को नौंच रहे, उजले मन में भाव नहीं।
राम सत्य के दीप जला, अपने मन को उजला कर।
राज धर्म के गीत लिखो, राष्ट्र प्रेम को बतला कर।
दर्द भरी राहों में तेरे, जरा कहीं अलगाव नहीं।

टेक्नोलॉजी

गूगल लाया Willow चिप - दुनिया के सबसे तेज सुपरकंप्यूटर से 13 हजार गुना ज्यादा

टेक्नोलॉजी की दुनिया में नया इतिहास रचा गया है। गूगल ने अपनी Willow चिप के जरिए एक ऐसा करिश्मा कर दिखाया है, जो कि अभी तक संभव नहीं था। दरअसल गूगल ने एक नया एल्गोरिदम बनाया है जिसका नाम Quantum Echoes है। इसकी खासियत है कि यह दुनिया के सबसे तेज सुपरकंप्यूटर से भी 13 हजार गुना तेजी से काम कर सकता है। बड़ी बात है कि यह सिर्फ एक दावा नहीं है और यह एक प्रमाणित और दोहराई जा सकने वाली उपलब्धि है। त्नश्नश्चद्दद्यद्ग के सीईओ सुंदर पिचाई ने खुद इसे क्वांटम कंप्यूटिंग के क्षेत्र में एक बड़ा मोड़ बताया है। नेचर जर्नल में छपे एक शोध पत्र के अनुसार यह खोज दवाओं को बनाने और मटेरियल साइंस के क्षेत्र में क्रांति ला सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार अगले पांच सालों में इस टेक्नोलॉजी को इस्तेमाल में लेने लायक बनाया जा सकता है।

Willow चिप क्या है?: गूगल की Willow चिप ने कंप्यूटिंग की दुनिया में एक नया स्टैंडर्ड सेट करने का काम किया है। यह चिप Quantum Echoes नाम के एल्गोरिदम को चलाने के काम में आती है। यह एल्गोरिदम परमाणुओं के बीच की जटिल इंटरैक्शन को समझने में सक्षम है। इसके बारे में X पर सुंदर पिचाई ने पोस्ट किया है कि हमारी Willow चिप ने पहली बार वेरिफाई होने लायक क्वांटम एडवांटेज हासिल की है। यह दुनिया के सबसे तेज सुपरकंप्यूटर की तुलना में 13,000 गुना तेजी से काम कर सकती है। गौरतलब है कि इससे पहले गूगल ने दावा किया था कि Willow चिप ने एक ऐसे सवाल को हल करने में सिर्फ 5 मिनट लगाए, जिसे हल करने में सुपरकंप्यूटर 10 सेप्टिलियन साल का समय लेता।

दवाओं और मटेरियल साइंस को फायदा: इस टेक्नोलॉजी का सबसे खास पहलू यह है कि यह सिर्फ एक लैब तक सीमित नहीं रहेगी। त्नश्नश्चद्दद्यद्ग का दावा है कि Quantum Echoes एल्गोरिदम का इस्तेमाल दवाओं की खोज और मटेरियल साइंस में किया जा सकता है। जटिल अणुओं की संरचना को समझना और नई दवाओं का विकास करना अब पहले से कहीं ज्यादा तेज हो जाएगा। इस सफलता के बाद Alphabet के शेयरों में 2.4त्न की वृद्धि भी देखी गई। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, अगले पांच साल में इस टेक्नोलॉजी के प्रैक्टिकल इस्तेमाल दुनिया में दिखने लगेंगे। यह टेक्नोलॉजी नई दवाओं की खोज, जटिल रासायनिक प्रतिक्रियाओं को समझने और उन्नत सामग्रियों के विकास में मददगार साबित हो सकती है।

क्वांटम कंप्यूटिंग की दुनिया में Google अकेला नहीं है। Microsoft, IBM और कई स्टार्टअप भी इस तकनीक पर काम कर रहे हैं। हालांकि Google की यह उपलब्धि इसलिए खास है क्योंकि यह वेरिफिएबल है, यानी इसके नतीजों को दूसरे क्वांटम कंप्यूटर पर भी दोहराया जा सकता है।

इन्वेस्टमेंट फंडा

नए प्लान के साथ आया सेबी, अब म्यूचुअल फंड में निवेश होगा आसान

मार्केट रेगुलेटर सेबी ने म्यूचुअल फंड फोलियो खोलने और पहला निवेश करने के लिए एक यूनिफॉर्म प्रोसेस बनाने की बात कही है। इस संबंध में सेबी नेएक कंसलटेशन पेपर जारी किया है। मकसद यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी निवेश की इजाजत मिलने से पहले सभी नए फोलियो असेट मैनेजमेंट कंपनी (AMC) और KYC रजिस्ट्रेशन एजेंसी (KRA), दोनों स्तरों पर पूरी तरह से KYC नियमों का पालन करें।

इस प्रस्ताव के तहत, निवेशक अपना पहला निवेश तभी कर पाएंगे जब KRA की ओर से KYC वेरिफिकेशन पूरा हो जाएगा और फोलियो को नियमों के मुताबिक सही मार्क कर दिया जाएगा। SEBI ने यह भी सुझाव दिया है कि निवेशकों को हर स्टेज पर उनके KYC स्टेटस की जानकारी उनके रजिस्टर्ड ईमेल और मोबाइल नंबर पर दी जाए।

मौजूदा प्रक्रिया में दिक्कतें: कंसलटेशन पेपर में बताया गया है कि नए फोलियो खोलने से पहले KYC वेरिफिकेशन अनिवार्य होने के मौजूदा नियम के बावजूद अलग-अलग प्रक्रियाओं की वजह से नियमों का पालन न होने के मामले सामने आए हैं। आमतौर पर, AMC पहले अपनी तरफ से जांच करती हैं और फिर डॉक्यूमेंट्स को आखिरी वेरिफिकेशन के लिए KRA के पास भेजती हैं।

लेकिन, अगर KRA को कोई गड़बड़ी मिलती है, तो फोलियो को नॉन-कंप्लायंट (नियमों के खिलाफ) मार्क कर दिया जाता है। जब तक इन दिक्कतों को सुधारा नहीं जाता, तब तक वह वैसा ही रहता है। इस वजह से कई तरह की दिक्कतें आती हैं जैसे- ट्रांजैक्शन में देरी, निवेशकों तक सही जानकारी न पहुंचना और

अनक्लेम्ड डिविडेंड या रिडेम्पशन के मामले बढ़ना।

क्या है समाधान?: इन्हीं समस्याओं से निपटने के लिए SEBI ने म्यूचुअल फंड फोलियो खोलने और पहला निवेश करने की प्रक्रिया नाम से एक ड्राफ्ट सर्कुलर जारी किया है। इसमें AMC KRA और दूसरे बिचौलियों के लिए एक स्टैंडर्ड तरीका बताया गया है। नियामक ने निर्देश दिया है। कि नया नियम लागू होने के बाद वे अपने सिस्टम को अपडेट करें।

किसानों से खुलेआम धोखाधड़ी

घटिया बीज दिया, सरकारी बीज निगम के भी कई सैंपल हुए फेल

राजगढ़, दोपहर मेट्रो

बीजों के नाम पर किसानों से खुलेआम धोखाधड़ी की गई है। उन्हें घटिया बीज दिए गए हैं। राजगढ़ जिले में तो सरकारी बीज निगम के भी कई सैंपल फेल हो गए हैं। खरीफ की बोवनी के दौरान सामने आए अमानक खाद बीजों के मामले में कृषि विभाग निजी दुकानदारों पर मेहरबानी दिखा रहा है। वहीं, सरकारी बीज निगम के जो सैम्पल फैल हुए हैं उनमें भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। ऐसे ही मामले में पडो़सी जिले रायसेन और विदिशा में बाकायदा एफआइआर दर्ज की गई, लेकिन राजगढ़ में विभाग को किसी का खौफ नहीं है, न ही किसी का अंकुश इस तरह की गड़बड़ियों पर है। जिन किसानों के बीज अमानक निकले उन्हें कोई राहत नहीं मिली है। कृषि विभाग कार्रवाई के नाम पर लाइसेंस रद्द कर रहा पर अफसरों ने एफआइआर नहीं कराई है।

राजगढ़ में कृषि विभाग की ही रिपोर्ट के अनुसार खरीफ बीज के 13 सैंपल अमानक मिले थे। इनमें से 10 निजी विक्रेता थे, जिनमें से नौ का बीज विक्रय लाइसेंस निलंबित किया गया। एक ब्यावरा का मप्र किसान कृषि भंडार का लाइसेंस भी निरस्त किया गया। तीन सैंपल बीज निगम के भी अमानक सामने आए, जिसके तहत महज वहां का भुगतान कृषि विभाग ने रोका है, अन्य आगे की कार्रवाई विभागीय स्तर पर फिलहाल नहीं हो पाई है। इसके अलावा पांच सहकारी समितियों से दिए गए खाद का नमूने भी फैल हुए हैं। यानि वहां से दिया गया खाद भी अमानक स्तर का निकला है। इस पर संबंधित सहकारी समितियों का लाइसेंस निरस्त किया गया है। हालांकि इस खानापूर्ति वाली औपचारिक कार्रवाई से कृषि विभाग की कार्रवाई पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं कि आखिरकार निजी दुकानदारों पर इतनी मेहरबानी क्यों दिखाई जा रही है?

रायसेन-विदिशा में हो चुकी है एफआइआर

जानकारी के अनुसार इस बार के खरीफ सीजन के दौरान सामने आए अमानक खाद और अमानक बीज के मामले में पड़ोसी जिलों विदिशा और रायसेन में एफआइआर हो चुकी है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान के निर्देश पर ये कार्रवाइयां की गईं थी।

दुर्दशा: कभी गांव की जीवनरेखा रहा तालाब, अब बन गया कचरा निस्तारण स्थल

गौहरगंज का ऐतिहासिक हरा-भरा तालाब गंदगी में तब्दील, पंचायत की लापरवाही से अस्तित्व पर संकट

अमित श्रीवास्तव, औबेदुल्लागंज

गौहरगंज का प्राचीन और ऐतिहासिक हरा तालाब, जो कभी गांव की जलापूर्ति और स्नान का प्रमुख स्रोत था, आज गंदगी, कचरे और नालों के पानी से पट गया है। कभी इस तालाब का जल गृहकार्य, स्नान और पूजा कार्यों के लिए प्रयोग में आता था, वहीं आज हालत यह है कि इसका पानी छूने तक से लोग डरते हैं। गांव की महिलाओं का कहना है कि पहले इस तालाब का पानी इतना स्वच्छ था कि उससे भोजन तक बनाया जाता था। अब स्थिति यह है कि पानी में पैर धोने पर भी खुजली और बदबू आने लगती है।

ग्रामवासी दिलीप गौर बताते हैं कि, ÷ऊपरी बस्ती का पूरा नाला इस तालाब में मिला दिया गया है, जिससे सारा मल-मूत्र और गंदगी सीधे यहां आ रही है। हमने और हमारे बुजुर्गों ने इस तालाब को स्वच्छ और जीवनदायी रूप में देखा है, लेकिन अब यह केवल गंदगी का तालाब बन गया है। गांव की बुजुर्ग महिला इमरती बाई कहती हैं कि पहले इस तालाब के जल से नहाना-धोना होता था और विवाह जैसे कार्यक्रमों में भी इसका पानी उपयोग में लाया जाता था। अब हालत इतनी खराब है कि कोई इस ओर रुकना भी पसंद नहीं करता। ग्राम पंचायत के उदासीन रवैये से यह जलस्रोत, जो करीब 100 साल पहले मुख्य जल स्रोत के रूप में विकसित किया गया था, अब समाप्ति के कगार पर खड़ा है। स्थानीय रहवासियों की सैकड़ों शिकायतों के बाद भी ग्राम पंचायत गौहरगंज ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया है, जिससे इस तालाब को गंदगी और नालों के गंदे पानी से बचाया जा सके। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पंचायत और प्रशासन ने शीघ्र कदम नहीं उठाए, तो यह ऐतिहासिक तालाब पूरी तरह नष्ट हो जाएगा। लोगों ने मांग की है कि इस तालाब की तुरंत सफाई कराई जाए और ऊपर बस्ती के गंदे नाले का प्रवाह रोका जाए ताकि यह जलस्त्रोत फिर से अपने पुराने स्वरूप में लौट सके।

> पूरे गांव के गटर को इस तालाब में मिला दिया गया जिससे इसमें गंदगी का अंबार लग गया हैं कभी इस तालाब के पानी से नहाना धोना और घर के काम मे उपयोग लिया जाता था अब तो पैर तक धोना दूभर हो गया हैं ।
> **-कला बाई,**
> निवासी गौहरगंज
>
> पूरी ऊपर बस्ती का गंदा पानी मल मूत्र इसमें मिल रहा हैं पन्नी कचरा और गंदगी सब मिल रहा हैं इस तालाब का पानी उपयोग करने लायक बचा ही नही हैं ।
> **-बनवारी लाल गौर**
> निवासी गौहरगंज

शराब और जुआ रोकने की मांग, नहीं हुई कार्रवाई तो कांग्रेस करेगी जनआंदोलन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

क्षेत्र में बढ़ती अवैध शराब और जुए की गतिविधियों को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। भाजपा विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा के बाद अब कांग्रेस जिला अध्यक्ष शिवाकांत 'गुड्डन' पांडेय ने भी इन गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा है यदि शासन-प्रशासन ने इस पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया, तो कांग्रेस जिला स्तर पर बड़ा जन आंदोलन खड़ा करेगी।

शिवाकांत पांडेय ने बताया कि नर्मदापुरम और इटारसी शहर के आसपास ग्रामीण इलाकों में खुलेआम शराब बेची जा रही है और जुए के अड्डे भी बड़ी संख्या में संचालित हो रहे हैं। इन गतिविधियों के कारण कई घर तबाही की कगार पर हैं और युवाओं का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। उन्होंने ऐसी अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए शासन प्रशासन से निवेदन किया है।कांग्रेस जिला प्रवक्ता अनिल रैकवार ने जानकारी दी कि इस विषय में ग्रामीण कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष चंद्रकांत बहारे ने जिला अध्यक्ष पांडेय से विस्तृत चर्चा की और ग्राम क्षेत्रों में संचालित शराब और जुए के अवैध कारोबार के संबंध में जानकारी दी है । पांडेय ने यह भी कहा कि इस मुद्दे पर भाजपा के दो विधायक पहले ही आवाज उठा चुके हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने अब भी इन मामलों में गंभीरता नहीं दिखाई, तो जिला कांग्रेस संगठन व्यापक जन आंदोलन करेगा।

किसानों को नरवाई नहीं जलाने कर रहे जागरुक

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले में कृषि विभाग किसानों को नरवाई या पराली जलाने से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक कर रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, नरवाई जलाने से मिट्टी की उर्वरता घटती है, सूक्ष्मजीव नष्ट होते हैं और जहरीली गैसों से वायु प्रदूषण बढ़ता है। इससे स्वास्थ्य व पर्यावरण दोनों पर बुरा असर पड़ता है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया है। ऐसा करने पर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत दंड और एफआईआर का प्रावधान है। प्रक्रिया में पकड़े गए किसानों को सरकारी योजनाओं से भी वंचित किया जाएगा। कृषि विभाग किसानों को हैप्पी सीडर, स्ट्रॉ रीपर, रोटावेटर, सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम, मल्चर और बेलर जैसे आधुनिक यंत्रों से वैज्ञानिक प्रबंधन के तरीके बता रहा है।

घाटों के आसपास साफ-सफाई शुरू

मंडीदीप। भोजपुरी समाज के सबसे बड़े महापर्व छठ पूजा की तैयारी इन दिनों नगर के सात जगहों पर की जा रही है। नगर पालिका द्वारा कृत्रिम कुंड का निर्माण और साफ-सफाई के साथ रंग रोगन कर रहा है। साथ ही घाटों पर साफ-सफाई भी की जा रही है। भोजपुरी समाज के पदाधिकारी राकेश सिंह ने बताया कि छठ पर्व की शुरुआत नहाए खाए के साथ शुरू होगी। 27 अक्टूबर की शाम को डूबते सूर्य को श्रद्धालुओं द्वारा अर्घ्य दिया जाएगा। मंडीदीप, सतलापुर, शीतल सिटी, भव्य सिटी, राहुल नगर, समेत कई जगहों पर भोजपुरी समाज द्वारा छठ महापर्व की पूजा की जाती है। घाटों की साफ-सफाई में समाज के मुख्य रूप से राकेश सिंह, शिव शंकर मिश्रा, गोल्डी यादव, उपेन्द्र गिरी आदि लोग लगे हुए हैं।

मुख्य शाखा पदाधिकारियों ने अधिकारियों से की परिचालन विभाग की समस्याओं पर चर्चा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के महामंत्री अशोक शर्मा के आह्वान पर मुख्य शाखा के पदाधिकारी परिचालन विभाग की विभिन्न समस्याओं को लेकर अधिकारियों से मिले। इस दौरान संघ के अध्यक्ष प्रीतम तिवारी, कार्यकारी अध्यक्ष सौरभ पांडेय, उपाध्यक्ष रविंद्र चौधरी, रोहित रैकवार और सीटीआई हेमंत सोनी ने दीपावली की शुभकामनाएं देने के उद्देश्य से स्टेशन प्रबंधक कार्यालय का दौरा किया। स्टेशन प्रबंधक कार्यालय में मंडल अध्यक्ष आर.के. शर्मा और मंडल सचिव कमलेश परिहार के नेतृत्व में शाखा अध्यक्ष व पदाधिकारियों ने हृरू(कोचिंग) हनुमान प्रसाद मीणा, एरिया कंट्रोल मैनेजर एच.एन. मीणा और स्टेशन प्रबंधक सुधांशु राय का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया तथा मिठाई वितरित की। इस दौरान परिचालन विभाग की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके पश्चात पदाधिकारियों ने ष्ट्ड्डरूविनोद चौधरी से नए यार्ड कार्यालय पहुंचकर गुड्स गार्डों से संबंधित मुद्दों पर बातचीत की।संघ के उपाध्यक्ष हरि ने जानकारी देते हुए बताया कि अधिकारियों ने संगठन की मांगों को स्वीकार करते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश भी दिए। चर्चा के प्रमुख विषयों में गुड्स गार्डों की ड्यूटी एडजस्टमेंट, टीएनसी को पर्याप्त विश्राम न मिलना, मेल गार्ड पदों की शीघ्र भर्ती की आवश्यकता, एवं हॉलीडे स्पेशल ट्रेनों के संचालन से उत्पन्न कार्यभार जैसी समस्याएं मुख्य रूप से शामिल रहीं।

कृषि मंडी में हुई उपज की शुभ मुहूर्त की खरीदी

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

कृषि उपज मंडी में भाई दोज के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी व्यापारियों द्वारा अनाज एवं तिलहन खरीदी कार्य का शुभ महूर्त किया गया। इस अवसर पर बाबूलाल शर्मा द्वारा विधिवत पूजन अर्चन सम्पन्न कराकर विधायक हरिसिंह रघुवंशी की उपस्थिति में अनाज एवं तिलहन खरीदी कार्य का शुभ महूर्त किया गया एवं प्रथम बोली फर्म बुन्देल सिंह जगन्नाथ के प्रतिनिधि शिवशरण सिंह रघुवंशी द्वारा कृषक लोकेन्द्र यादव ग्राम पचमा की गेहूँ (1544) नग 12 बोरा दर 3101/- रूपये में सर्वोच्च बोली लगाकर खरीदी की गई। जो नीलाम बोली अधिक होने से कृषक द्वारा सराहना की गई।

इस अवसर पर तरवर सिंह रघुवंशी, सतीश कटारे अध्यक्ष अनाज एवं तिलहन व्यापारी संघ, एवं वरिष्ठ व्यापारी, गणमान्य नागरिक, कृषक बन्धु एवं मण्डी सचिव सोहन लाल सहित सभी मण्डी कर्मचारी अधिकारी, सुरक्षा कर्मी एवं तुलावट संघ तथा हम्माल संघ के साथ ही उपस्थित रहे। व्यापारियों द्वारा अनाज एवं तिलहन खरीदी कार्य का शुभ महूर्त किया गया, इस अवसर पर कृषक बन्धु एवं व्यापारी भाईयो द्वारा सभी को दीपावली की शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई तथा सभी ने नीलाम कार्य भाग लिय।

राजो मालवीय को मिली प्रदेश मंत्री की जिम्मेदारी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की। कार्यकारिणी में महिलाओं को भी विशेष स्थान दिया गया है। नई टीम में नर्मदापुरम जिले के सोहागपुर की वरिष्ठ भाजपा नेत्री राजो मालवीय को एक बार फिर प्रदेश मंत्री के रूप में शामिल किया गया है। पार्टी ने उन पर दोबारा भरोसा जताते हुए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। राजो मालवीय प्रदेश राजनीति में एक सशक्त और सक्रिय चेहरा मानी जाती हैं।वे पूर्व में भी भाजपा की प्रदेश मंत्री, प्रदेश प्रवक्ता एवं राज्य महिला आयोग की सदस्य रह चुकी हैं। इसके साथ ही वे मप्र भाजपा कार्यसमिति की विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में भी योगदान दे चुकी हैं।

मेट्रो एंकर | कार्तिक पूर्णिमा तक चलेगा भगवान शिव का अभिषेक

बेतवा की आरती कर लगाया छप्पन भोग, उमड़े श्रद्धालु

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

कार्तिक स्नान करने वाले श्रद्धालुओं ने बेतवा रिपटा घाट पर यम द्वितिया भगवान शिव का अभिषेक किया इसके बाद बेतवा मैया की आरती उतार कर छप्पन भोग लगाया। गुलाबी सर्दी के बीच इस आयोजन में जहां श्रद्धालुओं में उत्साह देखा जा रहा था वही एक माह कार्तिक पूर्णिमा तक शिव अभिषेक और कार्तिक स्नान वेद मंत्रों के साथ चलेगा। पूर्णिमा पर इसका समापन होगा। इसके बाद ईदगाह रोड स्थित आश्रम में कन्या भोज का आयोजन भी किया जाएगा।

मालूम हो कि बेतवा रिपटा घाट पर पंडित भागीरथ शास्त्री के सानिध्य में एक माह तक लगातार भगवान शिव के अभिषेक के साथ कार्तिक स्नान का आयोजन चल रहा है। दीपावली के बाद यम द्वितिया को सभी श्रद्धालु सूर्योदय से पूर्व घाट पर पहुंचे आयोजन में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं ने बेतवा में स्नान किया इसके पश्चात घाट पर भगवान शिव का दरबार सजाया फिर अभिषेक प्रारंभ हुआ वेद मत्रों के साथ अभिषेक संपन्न होने के बाद बेतवा का पूजन अभिषेक किया गया। इसके बाद छप्पन भोग अर्पित किया गया । इसके बाद उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने दीपदान किया।आरती के पश्चात सूर्य को अर्घ्य देने के बाद प्रसादी का वितरण हुआ। यह आयोजन शरद पूर्णिमा से प्रारंभ हो गया था। कार्तिक के पूरे माह में पवित्र नदी में स्नान करने का प्रचलन रहा है। हिन्दू शास्त्रों के अनुसार कार्तिक माह में व्रत स्नान और दान का बहुत ही ज्यादा महत्व है। पंडित भागीरथ शास्त्री ने बताया कि इससे पाप का नाश होकर सुख शांति और मोक्ष की प्राप्ति होती है। व्रती की हर तरह की मनोकामना पूर्ण होती है। स्कंद पुराण में कार्तिक माह की महिमा का वर्णन है। कार्तिक के समान दूसरा कोई मास नहीं सत्ययुग के समान कोई युग नहीं वेद के समान कोई शास्त्र नहीं और गंगाजी के समान कोई तीर्थ नहीं है। कार्तिक मास में इंद्रियों पर संयम रखकर चांद-तारों की मौजूदगी में सूर्योदय से पूर्व ही पुण्य प्राप्ति के लिए स्नान नित्य किया जाता है।

अशोकनगर में दीपावली के मौके पर बाजार में बिकने वाली प्लास्टिक के पाइप की देसी और सस्ती कार्बाइड गन बनी खतरा

सैकड़ों लोगों की रोशनी छीन चुकी देसी कार्बाइड गन, कांग्रेस नेता की आंखें जल गईं

अशोकनगर, दोपहर मेट्रो

दीपावली पर कुछ समय से देसी कार्बाइड गन बच्चों-बड़ों में काफी फैमस है। लेकिन यह सैकड़ों लोगों की रोशनी भी छीन चुकी है। ऐसा ही मामला अशोकनगर में सामने आया, जिसमें बच्चों इस गन से धमाका होने से कांग्रेस नेता की आंखे जल गईं।

दीपावली के त्योहार पर देशभर में सस्ती कैल्सियम कार्बाइड गन से आंख खराब होने के कई मामले सामने आ रहे हैं। ताजा मामला मध्यप्रदेश के अशोकनगर जिले का है, जहां कांग्रेस विधायक के प्रतिनिधि और पाल समाज के प्रदेश महामंत्री की आंखों पर देसी कार्बाइड गन चल जाने से आंखें जल गई, जिसके बाद घायल कांग्रेस नेता को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया।

मामला बुधवार का बताया जा रहा है, जहां शहर के माता मंदिर रोड निवासी पवन पाल पुत्र अमोल सिंह पाल अपने घर पर थे। तभी घर के बच्चे प्लास्टिक के पाइप से बनी कैल्सियम कार्बाइड गन चला रहे थे, लेकिन उस में किसी तरह की खराबी आ गई और वह स्वयं उस गन को लेकर उसमें देखने लगे, तभी वह एकदम से फायर हो गई। जिससे गन का धुआं उनकी आंखों में लगा और दोनों आंखों से दिखना बंद हो गया। इसके बाद उन्हें तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां कोई आंखों के डॉक्टर नहीं होने के कारण उन्हें निजी डॉक्टर को दिखाया जहां उनका उपचार जारी है।

छह बच्चे गंभीर रूप से हुए थे घायल

छतरपुर। जिले के नौगांव थाना अंतर्गत बिलहरी गांव में उस समय हड़कंप मच गया, जब कुछ बच्चों ने दीपावली के मौके पर पटाखों के गुच्छे बनाकर उनमें से बारूद निकाल लिया और उसे प्लास्टिक के डिब्बों में भरकर खेलना शुरू कर दिया। हालांकि, खेल-खेल में की गई यह लापरवाही पलभर में भयावह हादसे में बदल गई। देशभर में सोमवार को धूमधाम से दिवाली का त्योहार मनाया गया। इस दौरान जहां लाइटिंग की व्यवस्था की गई। वहीं, बड़े पैमाने पर पटाखे भी छोड़े गए। इस बीच मध्य प्रदेश के छतरपुर से एक बहुत ही दर्दनाक खबर सामने आई है। छतरपुर जिले के नौगांव थाना अंतर्गत बिलहरी गांव में उस समय हड़कंप मच गया, जब कुछ बच्चों ने दीपावली के मौके पर पटाखों के गुच्छे बनाकर उनमें से बारूद निकाल लिया और उसे प्लास्टिक के डिब्बों में भरकर खेलना शुरू कर दिया. हालांकि, खेल-खेल में की गई यह लापरवाही पलभर में भयावह हादसे में बदल गई। अचानक हुए तेज धमाके से आसपास का इलाका दहल उठा और वहां मौजूद छह बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया. सूचना मिलते ही एसडीएम गोपाल शरण पटेल और एसडीओपी अमित मेश्राम मौके पर पहुंचे, जहां उन्होंने घायलों का हालचाल जाना और तत्काल सभी बच्चों को जिला अस्पताल रेफर किया गया।

तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर एक होटल में जा घुसी

हॉर्न बजाते सीधे होटल में घुसी बस, यात्रियों में मची चीख-पुकार, 30 से अधिक गंभीर घायल

खंडवा] दोपहर मेट्रो

तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। ओंकारेश्वर मंदिर में दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने होटल यादव श्री में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। बस में सवार 40 में से 30 से अधिक यात्री घायल हुए हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जानकारी अनुसार हादसे वाली बस में सवार यात्री दल देश के अलग-अलग राज्यों से ओंकारेश्वर दर्शन के लिए आया था। सभी श्रद्धालु इंदौर से बस के जरिए ओंकारेश्वर पहुंचे थे। दर्शन करने के बाद जब वे वापस इंदौर की ओर रवाना हुए, तभी कोठी आश्रम के सामने बस का संतुलन बिगड़ गया। बताया जा रहा है कि चालक बस को संभाल नहीं पाया और वह सड़क किनारे स्थित होटल के मुख्य द्वार से जा टकराई।

बस की टक्कर इतनी जोरदार थी कि होटल का मुख्य गेट और बस का आगे का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। बस के शीशे चकनाचूर हो गए और कई यात्री सीटों के नीचे फंस गए। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया।

फंस में फंसे यात्रियों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया

स्थानीय लोगों ने बस के अंदर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला और घायल श्रद्धालुओं को पास के शासकीय अस्पताल भिजवाया। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को सनावद और खंडवा जिला अस्पताल रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस की रफ्तार काफी तेज थी। जैसे ही कोठी आश्रम के मोड़ पर पहुंची, चालक का नियंत्रण बिगड़ गया और बस सीधे होटल में जा घुसी। टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के दुकानदार और होटल के कर्मचारी तुरंत बाहर आ गए।

मान्धाता पुलिस ने संभाली स्थिति, घायलों को भेजा हॉस्पिटल

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अनोख सिंधिया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तुरंत सड़क पर यातायात नियंत्रित किया और बस को अपने कब्जे में लिया। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि बस अनियंत्रित होने के पीछे खराब सड़क और चालक के नियंत्रण खोने की संभावना है। पुलिस ने दुर्घटना के सटीक कारणों की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी अनोख सिंधिया ने बताया कि, हादसे में कई लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज जारी है। कुछ यात्रियों को गंभीर चोटें आई हैं, जिन्हें बेहतर उपचार के लिए खंडवा और इंदौर रेफर किया गया है। बस और होटल दोनों को भारी नुकसान पहुंचा है।

व्यवहार न्यायालय और 7 नवीन पदों की स्वीकृति

सागर। परिषद की बैठक में खुरई विधानसभा क्षेत्र के मालथौन विकासखंड मुख्यालय पर व्यवहार न्यायालय (कनिष्ठ खंड) की स्थापना की स्वीकृति का निर्णय लिये जाने पर पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने मुख्यमंत्री व मंत्रिपरिषद का आभार व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में 23 अक्टूबर को आयोजित मंत्रि परिषद की बैठक में पारित निर्णय के अनुसार मालथौन जिला सागर में व्यवहार न्यायालय कनिष्ठ खंड के नियमित न्यायालय की स्थापना की स्वीकृति दी गई है। इसके लिए कुल 07 नवीन पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है।

विधायक भूपेन्द्र सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को किसानों के हित में लिए गए उस निर्णय की भी सराहना की, जिसमें वर्ष 2025-26 के लिये सहकारी बैंकों के माध्यम से किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर अल्पावधि फसल ऋण दिये जाने की योजना को निरन्तर रखे जाने कीं स्वीकृति दी गई है। इस योजना के तहत किसानों को 3 लाख रूपये तक का लोन दिया जाता है जिसके लिए वर्तमान वर्ष में 23000 करोड़ रूपये वितरण का लक्ष्य रखा गया है। पूर्व गृहमंत्री, विधायक श्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा है कि टीकमगढ़ जिला चिकित्सालय में 800 बिस्तर बढ़ाए जाकर 1800 बिस्तरीय अस्पताल करने से बुंदेलखंड में चिकित्सा सुविधा में वृद्धि होगी जिसकी यहां लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जा रही थी।

संभाग स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता शुरू

मंडीदीप। कबड्डी एसोसिएशन जिला रायसेन नगर मंडीदीप विवेक जागृति स्कूल में 2004 के बाद पहली बार संभाग स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता अंडर 17 बालक एवं बालिका कबड्डी प्रतियोगिता भोपाल जोन कराया जा रहा है वी जे स्पोर्ट क्लब के अध्यक्ष रिज़वान अली द्वारा बताया गया जिसमें राजगढ़ , सीहोर, विदिशा, भोपाल जिला एवं रायसेन की टीमें जोर आजमाइश करेंगी। प्रतियोगिताएं आज से शुरू होंगी। खेल प्रशिक्षक विराट मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया गया बड़े हर्ष की खुशी है रायसेन जिले मंडीदीप नगर के विवेक जागृति के विद्यार्थी निखिल मीणा ओर राज लोवंशी का, खेल थ्रो बॉल राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हुआ चयन हुआ,नगर के वरिष्ठ समाजसेवी जगदीश सोनी वरिष्ठ खेल शिक्षक निसार उल्लाह खान, कपिल देव सिंह चौहान, कपिल पाठक, मिथिलेश रघुवंशी, पवन श्री वास्तव ने खिलाड़ियों को अग्रिम शुभकामनाएं दी

बच्चे के साथ अप्राकृतिक कृत्य के आरोपी को जेल

तेंदूखेड़ा/दमोह। जिले के जबेरा थाना क्षेत्र के एक गांव में 11 साल बच्चे के साथ अप्राकृतिक कृत्य का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह घटना बुधवार देर रात की बताई जा रही है। फरियादी ने जबेरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनके 11 साल बेटे का महेंद्र गौड़ नामक युवक ने अपहरण कर लिया था। आरोपी बच्चे को तालाब के पास ले गया और तालाब की मेड़ के किनारे उसके साथ अप्राकृतिक कृत्य किया।

थाना प्रभारी विकास सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि शिकायत मिलते ही तत्काल मामला दर्ज किया गया। एसपी श्रुतकीर्ति सोमवंशी और एएसपी सुजीत सिंह भदोरिया के निर्देशन में एक टीम गठित की गई। गठित टीम ने तत्परता दिखाते हुए 24 घंटे के भीतर आरोपी महेंद्र गौड़ को गिरफ्तार कर लिया आरोपी को गुरुवार को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

नगर में हर तरफ गंदगी और कचरे के ढेर, जिम्मेदार मौन

मंडीदीप, दोपहर मेट्रो

विगत कई दिनों से दिन प्रतिदिन नगर के हाल बेहाल होते दिखाई दे रहे हैं नगर के हर चौराहे हर गली में गंदगी पसरी पड़ी है स्थानीय प्रशासन को किसी प्रकार की कोई चिंता नहीं है रहा सवाल क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र पटवा का तो कहीं ना कहीं उन्होंने भी इस बात को लेकर चुप्पी सादी हुई है और बात करें नगर के नेताओं की तो उनकी तो बात ही निराली है।

अध्यक्ष भी ये गंदगी का आलम देखकर कहीं न कहीं अनदेखा कर रही है तो अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेंद्र अग्रवाल सिर्फ फोटो खिचवाने जन्मदिन मनाने मे मगरूर हैं क्या इनको इस गंदगी के पास में जाकर फोटो नहीं खिंचवाना चाहिए हर तरफ गंदगी धूल भरे गुबारे साथ में गड्ढे में सड़क या सड़क मे खड्डा है समझ पाना जरा मुश्किल हो गया है स्थानीय लोगो की यदी बात करें तो हर किसी को नगरपालिका के इस कार्यकाल से नाराजी है परन्तु ये नाराजी सिर्फ पीठ पीछे है

सामने नहीं है वही बात करें पार्षदो की तो इक्का दुक्का पार्षद ही होंगे जो नेता जी के आसपास दिखाई देते होंगे अब तो नेता जी का काफिला उनके चाटुकारों से ही चल रहा है परन्तु धरातल पर कोई भी कार्य योजना नहीं है जिसके कारण रहवासी असंतोष जनक व्याप्त है

घाटों के आसपास साफ-सफाई

मंडीदीप। भोजपुरी समाज के सबसे बड़े महापर्व छठ पूजा की तैयारी इन दिनों नगर के सात जगहों पर की जा रही है। नगर पालिका द्वारा कृत्रिम कुंड का निर्माण और साफ-सफाई के साथ रंग रोगन कर रहा है। साथ ही घाटों पर साफ-सफाई भी की जा रही है। भोजपुरी समाज के पदाधिकारी राकेश सिंह ने बताया कि छठ पर्व की शुरुआत नहाए खाए के साथ शुरू होगी। 27 अक्टूबर की शाम को डूबते सूर्य को श्रद्धालुओं द्वारा अर्घ्य दिया जाएगा। मंडीदीप, सतलापुर, शीतल सिटी, भव्य सिटी, राहुल नगर, समेत कई जगहों पर भोजपुरी समाज द्वारा छठ महापर्व की पूजा की जाती है। घाटों की साफ-सफाई में समाज के मुख्य रूप से राकेश सिंह, शिव शंकर मिश्रा, गोल्डी यादव, उपेन्द्र गिरी आदि लोग लगे हुए हैं।

मेट्रो एंकर

स्नेह और समर्पण के संग मनाया भाईदूज का त्योहार, दिखा उत्साह

बहनों ने भाई को तिलक लगाकर लिया रक्षा का वचन

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भाईदूज का त्योहार उल्लास और स्नेह के साथ मनाया गया। बहनों ने पूजा की थाली सजाई और भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार और मिठाइयां देकर प्यार जताया। शहर के विभिन्न इलाकों में त्योहार का उत्साह नजर आया। बाजारों में मिठाई, उपहार और परिधानों की खरीददारी से रौनक बनी रही। ग्रामीण क्षेत्रों में भी बहनों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों से भाईदूज मनाया। कई परिवारों ने इस मौके पर घर में विशेष व्यंजन बनाए, जबकि कुछ ने भाई-बहन के साथ मंदिर जाकर पूजा-अर्चना की। सोशल मीडिया पर भी भाई-बहन के बंधन को दर्शाने वाली तस्वीरें और वीडियो खूब शेयर किए गए। इस पर्व ने पारिवारिक रिश्तों में नई ऊर्जा और अपनत्व का संदेश दिया। भाईदूज ने एक बार फिर यह एहसास कराया कि यह सिर्फ तिलक और उपहार का त्योहार नहीं, बल्कि भाई-बहन के अनमोल रिश्ते का प्रतीक है, जो प्रेम, सुरक्षा और विश्वास से जुड़ा है।

भाईदूज पर भाई को तिलक लगाकर मिठाई खिलाई और दीर्घायु की कामना की व भाई जीवन में खुशहाली आए भाई का स्नेह मेरे लिए सबसे बड़ी दौलत है। यह त्योहार हमारे बचपन की यादों को फिर से ताजा कर देता है।
प्रिया साहू, तेंदूखेड़ा

भाईदूज प्यार और आशीर्वाद का पर्व है। आज तिलक कर भाई की लंबी उम्र और खुशियों की कामना की। हर साल इस दिन का बेसब्री से इंतजार रहता है। यह हमारे रिश्ते को और मजबूत बनाता है।
-रुपाली केवट तेंदूखेड़ा

आज का दिन मेरे लिए बहुत खास रहा मेरी बहन ने स्नेह से तिलक किया और लंबी उम्र की कामना की। भाईदूज हमें याद दिलाता है कि पारिवारिक रिश्ते ही सबसे बड़ी ताकत और दौलत है।
-आकाश साहू तेंदूखेड़ा

मुझे बहन से बढ़कर कुछ भी नहीं है बहन मुझे बहुत प्यार करती है व सदा खुशहाल रहे और भगवान भोले उसे ढेर सारी खुशियां प्रदान करें ऐसी ही मेरी कामना है भगवान से और खुश रहे।
-अनिल यादव तेंदूखेड़ा

वाहनों की जांच में एक ट्रक किया जब्त

सागर. सड़क सुरक्षा के तहत शहरी क्षेत्र एवं बम्होरी तिराहा मार्ग पर 13 यात्री बसों को चेक किया गया. यात्री बस मालयान एवं अन्य वाहनों की जांच की गई। इसमें यात्री बस में फर्स्टएड बॉक्स, अग्निशमन, एचएसआरपी हेवी लायसेंस आदि दस्तावेज चेक किये गये। 11 यात्री बसों से 21000 रू., एक ट्रक को रू. 01.00 लाख कर बकाया होने पर जप्त किया गया तथा एक यात्री बस से 63000रू. कर जमा कराया गया। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने समस्त वाहन स्वामियों को हिदायत दी है कि वे अपने वाहनों के संचालन के दौरान वाहन से संबंधित समस्त वैद्य दस्तावेज बीमा फिटनेस, परमिट, पंजीयन कार्ड, वाहन का हेवी लायरोंरा टैक्रा प्रमाण पत्र प्रदूषण अंडरकंट्रोल प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से साथ में रखे। तथा यात्री वाहनों में आपातकालीन द्वार पर लगी सीटों को शीघ्र हटाकर ही वाहन संचालित करें। जांच के दौरान कोई भी अनियमितता पाये जाने पर विधि अनुसार कठोर कार्यवाही की जावेगी।

एडिलेड में कोहली के गुड बाय में क्या कोई मैसेज छुपा है?

न गुस्सा था, न निराशा, बस एक गहरी खामोशी...

नई दिली, एजेंसी

वो पल कुछ अलग था... विराट कोहली ने एडिलेड ओवल की भीड़ की ओर देखा, होंठों पर हल्की-सी मुस्कान आई, फिर दाहिना हाथ उठाकर चुपचाप अलविदा कहा। न गुस्सा था, न निराशा- बस एक गहरी... भीतर तक उतरती शांति। ऐसा लगा मानो कोहली कहना चाह रहे हों, अब शायद फिर यहां नहीं मिलेंगे।

भारतीय क्रिकेट के इतिहास में कई पल अमर हो चुके हैं, लेकिन यह दृश्य शायद उनमें सबसे सधी हुई उदासी लेकर आया। यह वही एडिलेड है, जहां कोहली ने अपनी कुछ सबसे यादगार पारियां खेली हैं- वही मैदान जहां उन्होंने विदेशी बल्लेबाजों में सबसे अधिक 975 रन बनाए। यहां की मिट्टी, यहां की हवा जैसे उनके नाम से जुड़ी रही है। लेकिन इस बार सब कुछ अलग था। एडिलेड में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों की लिस्ट पर नजर डालें तो ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ही नजर आते हैं। शुरुआती 15 बल्लेबाजों में सिर्फ एक विदेशी का नाम है।और वह है विराट कोहली का। 1.पोंटिंग 2188, 2. क्लार्क 2040, 3. बॉर्डर 1933, 4. वॉर्नर 1865, 5. स्टीव वॉ 1379, 6, मार्क वॉ 1310, 7. बून 1263, 8. डीन जोन्स 1166, 9. लैंगर 1051, 10. माइक हसी 1024, 11. टेलर 987, 12. हेडन 982, 13. कोहली 975, 14. ब्रैडमैन 970, 15. ट्रेविस हेड 967 रन.

1000 रन पूरे करने के लिए सिर्फ 25 रनों की थी जरूरत

कोहली को एडिलेड में अपने 1000 रन पूरे करने के लिए सिर्फ 25 रनों की जरूरत थी और वह एडिलेड ओवल में हजार रन बनाने वाले पहले गैरऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन जाते... लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। लगातार दूसरे मैच में शून्य पर आउट। कोहली के करियर में ऐसा पहली बार हुआ और शायद इसी वजह से जब उन्होंने मैदान छोड़ते हुए भीड़ की ओर हाथ हिलाया, तो वह इशारा सिर्फ एक आउट का नहीं, बल्कि एक युग के ढलने जैसा महसूस हुआ। एडिलेड की भीड़ खड़ी होकर तालियां बजा रही थी। वो तालियां आक्रोश की नहीं, बल्कि सम्मान और स्नेह की थीं- उस खिलाड़ी के लिए जिसने भारतीय क्रिकेट को एक नई ऊंचाई दी। पर कोहली की आंखों में झलक रही थी एक थकान, जो सिर्फ रन या फॉर्म की नहीं थी, बल्कि उस सफर की थी जिसमें उन्होंने सब कुछ झोंक दिया। सोशल मीडिया पर तुरंत हलचल मच गई। हर जगह एक ही सवाल- क्या यह कोहली का इशारा था? क्या अब वनडे क्रिकेट से भी विदाई का वक्त करीब है? लोग उनके लगातार दो 'डक' की नहीं, बल्कि उस शांत हाथ हिलाने की बात कर रहे थे जिसने करोड़ों दिलों को छू लिया। सात महीने के लंबे ब्रेक के बाद कोहली की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह वापसी आसान नहीं रही। वह टी20 और टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं। पहले वनडे में पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम पर वो 8 गेंदों में आउट हुए- मिचेल स्टार्क की बाहर जाती गेंद पर ड्राइव खेलने की कोशिश में।

रिव्यू लिए बिना लौट गए पवेलियन

अंपायर की उंगली ऊपर उठी, कोहली ने रोहित शर्मा से कुछ पल बात की और बिना रिव्यू लिए लौट गए। बॉल ट्रैकर ने दिखाया- गेंद सीधी मिडिल स्टंप से टकराती हुई। कोहली जब मैदान से लौटे, तो भीड़ खामोश थी, लेकिन तालियां अब भी बज रही थीं। वह तालियां विदाई जैसी थीं- सम्मान, कृतज्ञता और थोड़ी सी उदासी से भरी हुई। क्या यह एडिलेड में विराट कोहली की आखिरी झलक थी? शायद। लेकिन अगर यह सच भी है, तो यह अंत नहीं- बल्कि एक महान कहानी का शांत, गरिमामय विराम है। एडिलेड ओवल हमेशा से विराट कोहली के करियर का खास मैदान रहा है। जनवरी 2012 में उन्होंने यहीं चौथे टेस्ट में 116 रनों की संयमित पारी खेलकर दुनिया को बताया कि वह रेड-बॉल क्रिकेट के सच्चे सितारे हैं। 2014-15 की बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में उनके 115 और 141 रनों के दो शतकों ने साबित कर दिया कि कोहली किसी भी मैच और उसके रुख को बदलने की क्षमता रखते हैं।

रोहित शर्मा ने रचा इतिहास, अपनी ही धरती पर ऑस्ट्रेलियाई भी नहीं कर सके ये कारनामा

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में खेले गए दूसरे वनडे मैच में भारत के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने अर्धशतकीय पारी खेलते हुए इतिहास रच दिया। रोहित शर्मा भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच ऑस्ट्रेलियाई धरती पर वनडे मुकाबलों में 1,000 रन का आंकड़ा छूने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर 21 वनडे मुकाबलों में 56.36 की औसत के साथ 1,071 रन बना चुके हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 4 शतक और 3 अर्धशतक निकले। इस लिस्ट में विराट कोहली दूसरे पायदान

पर हैं, जिन्होंने ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर मेजबान टीम के विरुद्ध 20 वनडे मुकाबलों में 42.21 की औसत के साथ 802 रन बनाए। कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी ही सरजमीं पर 3 शतक और 4 अर्धशतक लगा चुके हैं। लिस्ट में सचिन तेंदुलकर तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने साल 1991 से 2012 के बीच 25 मुकाबलों में 740 रन जोड़े, जबकि 21 मुकाबलों में 684 रन बनाने वाले महेंद्र सिंह धोनी इस लिस्ट में चौथे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ फेहरिस्त में पांचवें पायदान पर मौजूद हैं, जिन्होंने 11 वनडे मुकाबलों में 683 रन जुटाए। एडिलेड ओवल में जारी इस मुकाबले की बात करें, तो पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने खराब शुरुआत के बावजूद 9 विकेट खोकर 264 रन बनाए। भारतीय टीम 17 के स्कोर तक कप्तान शुभमन गिल (9) और विराट कोहली (0) का विकेट गंवा चुकी थी। यहां से रोहित शर्मा ने श्रेयस अय्यर के साथ 118 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला।

मैनजमेंट की जिद बनी हार की वजह

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज पर मेजबान टीम ने 2-0 से कब्जा कर लिया है। कंगारूओं ने टीम इंडिया से लगातार दो वनडे जीतकर अजेय बढ़त बना ली है। एडीलेड में खेले गये दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया ने 46.2 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 265 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया।दोनों देशों के बीच तीसरा और अंतिम वनडे सिडनी के मैदान पर 25 अक्टूबर को खेला जाएगा।भले ही सीरीज की हार का ठीकरा बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन और कमजोर फील्डिंग को बताया जा रहा है,लेकिन मेरे नजरिये में हार की सबसे बड़ी वजह अंतिम एकादश के चयन में टीम मैनेजमेंट की जिद व उसका अड़ियल रवैया रहा है।दरअसल टीम इंडिया के मैनेजमेंट ने दोनो ही मैचों की अंतिम एकादश में कोई फेरबदल नहीं किया, शायद पहले मैच की चूक को उसने नकारते हुए यही जताया कि उसके कॉम्बिनेशन में चैंपियन आक्रामक गेंदबाज से ज्यादा अहमियत आलराउंडर की ही है।इसी वजह से एकादश में कलाई फिरकी कुलदीप यादव की जगह आलराउंडर पर ही दांव खेला,जबकि कुलदीप यादव को शामिल करने का फायदा ऑस्ट्रेलिया के गैर अनुभवी मध्य क्रम बल्लेबाजों को उलझाने में किया जा सकता था।इस मामले में ऑस्ट्रेलिया टीम मैनजमेंट की सोच बेहतर कही जा सकती है,क्योंकि उसने अपने रिस्ट स्पिनर एडम जंपा पर दांव लगाया।उनका यह फैसला कारगर भी साबित हुआ जब उन्होंने मिडिल ओवर में गेंदबाजी कर भारतीय टीम के 4 विकेट हासिल किये।दरअसल एक समय मे जब ऐसा लगने लगा था कि टीम इंडिया 300 रनों के आसपास स्कोर कर लेगी क्योंकि उसके पास आलराउंडर की मौजूदगी की वजह से 8 नंबर तक बल्लेबाजी की गहराई है,लेकिन जंपा के सामने कोई भी खुलकर बल्लेबाजी नहीं कर सके।वहीं यह बात समझ से परे है कि पिछले कुछ समय से जबरदस्त इनफॉर्म बल्लेबाज राहुल के बल्लेबाजी क्रम से ऊपर हर बार अक्षर पटेल को भेजने का मतलब क्या है।सिर्फ लेफ्ट राइट कॉम्बिनेशन की वजह से मैनजमेंट का यह फैसला भी बेतुका ही नजर आता है,क्योंकि राहुल वह बल्लेबाज हैं जिसके पास आक्रामक बल्लेबाजी की काबलियत भी भरपूर है।वनडे मैचों में राहुल के बल्लेबाजी क्रम की छेड़खानी एकाध मैच में तो ठीक समझी जा सकती है लेकिन जब यह प्रयोग लगातार होंगे तो इस पर सवाल उठना और टीम के लिए घातक होना तय है।वैसे यह बात तो टीम के बल्लेबाजी नजरिये तक सीमित है जो टॉप 5 बल्लेबाजों(विकेट कीपर सहित) में सिमट कर रह जाती है।टीम इंडिया की अंतिम एकादश के असल गणित और उसके संयोजन में मैनजमेंट ओर कप्तान का किरदार बाकी 6 खिलाड़ियों के चयन में अहम कहा जा सकता है,जिसका असर जीत हार तय करता है।ऑस्ट्रेलिया में हुए दोनों मैचों में सिर्फ 3 गेंदबाज ओर 3 ऑलराउंडर का चयन यही जताता है कि मैनजमेंट का पूरा भरोसा न तो अपने बल्लेबाजों पर ही है और न ही गेंदबाजों पर ही,क्योंकि अगर उनको किसी पर भी यकीन होता तो फिर कुलदीप यादव का चयन एकादश में होता। खैर अब जब टीम इंडिया वनडे सीरीज गंवा चुकी है और सिडनी का मैच कोहली और टीम अपनी लाज बचाने के इरादे से मैदान में उतरेगी तो देखना यही दिलचस्प रहेगा कि टीम मैनजमेंट आखिरी मुकाबले में भी अपने अड़ियल रवैये पर कायम रहता है या फिर कुछ फेरबदल करता है।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

व्हाइट बॉल सीरीज के लिए पाक टीम का ऐलान, बाबर-नसीम की वापसी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने साउथ अफ्रीका, श्रीलंका के खिलाफ आगामी व्हाइट बॉल सीरीज और श्रीलंका-जिम्बाब्वे के साथ त्रिकोणीय सीरीज के लिए टीम का ऐलान किया है। टी20 टीम में 15 खिलाड़ी, जबकि वनडे टीम में 16 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। सलमान आगा को टी20 कप्तान के रूप में बरकरार रखा गया है। वहीं, शाहीन अफरीदी पहली बार वनडे टीम की कमान संभालेंगे।

इस सीरीज में बाबर आजम, अब्दुल समद और नसीम शाह की वापसी होगी। फैसल अकरम, हारिस रऊफ और हसीबुल्लाह की वनडे टीम में वापसी हुई है। इनके अलावा, उस्मान तारिक टी20 टीम में एकमात्र अनकैप्ड खिलाड़ी हैं। बाबर आजम टी20 फॉर्मेट में आखिरी बार दिसंबर 2024 में नजर आए थे। उन्होंने यह मैच साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था। इसके बाद बांग्लादेश, वेस्टइंडीज और एशिया कप 2025 के लिए टीम से बाहर रहे। नसीम शाह नवंबर 2024 में टी20 मैच, जबकि अगस्त 2025 में आखिरी बार वनडे मैच खेलते नजर आए थे। पाकिस्तान की टी20 टीम में फखर जमान, हारिस रऊफ और सुफियान मुकीम बतौर रिजर्व खिलाड़ी चुने गए हैं। पाकिस्तान फिलहाल साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेल रहा है।

महिला क्रिकेट टीम वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में

अंक तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीम से होगा अब अगला मुकाबला

नवी मुंबई, एजेंसी

भारतीय टीम ने आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। गुरुवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल एकेडमी में हुए मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड पर डीएलएस नियम के तहत 53 रनों से जीत हासिल की। बारिश के कारण इस मुकाबले में न्यूजीलैंड को 44 ओवर्स में 325 रनों का टारगेट मिला था, लेकिन वो 8 विकेट पर 271 रन ही बना सका। ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुका था। जबकि न्यूजीलैंड, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सका। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट की शुरुआत शानदार तरीके से करते हुए श्रीलंका और पाकिस्तान पर जीत दर्ज की थी। लेकिन उसके बाद साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ लगातार तीन हार ने सेमीफाइनल की उम्मीदों को झटका दिया था। ऐसे में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबला बेहद अहम था, जहां हरमन ब्रिगेड ने शानदार जीत हासिल की। भारतीय टीम अब लीग स्टेज के अपने आखिरी मुकाबले में 26 अक्टूबर को बांग्लादेश का सामना करेगी।

किससे होगा भारत का सेमीफाइनल?

ऑस्ट्रेलिया (11 अंक) और साउथ अफ्रीका (10 अंक) के बीच होने वाले मुकाबले में जो टीम जीतेगी, वो सेमीफाइनल में भारत का सामना करेगी। ऑस्ट्रेलिया फिलहाल अंकतालिका में टॉप पर है, ऐसे में साउथ अफ्रीका के खिलाफ उसक मुकाबला यदि धुलता है तो भी वो टॉप पर ही रहेगा। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच मुकाबला 25 अक्टूबर को खेला जाना है। कुल मिलाकर ये कहा जा सकता है कि ऑस्ट्रेलिया या साउथ अफ्रीका में जो टीम टॉप पर फिनिश करेगी, वो सेमीफाइनल में भारत से खेलेगी। पहला सेमीफाइनल 29 अक्टूबर को गुवाहाटी में खेला जाना है, जहां इंग्लैंड की टीम का भाग लेना निश्चित है। न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में भारतीय बल्लेबाजों स्मृति मंधाना और प्रतीका रावल ने पहले विकेट के लिए 212 रनों की साझेदारी की। प्रतीका ने 122 और मंधाना ने 109 रन बनाए। जेमिमा रोड्रिग्स ने भी नाबाद 76 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली, जिससे भारत ने 49 ओवर में 340/3 का विशाल स्कोर खड़ा किया। संशोधित लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की टीम कभी भी लय में नहीं दिखी। ब्रूक हैलीडे (81 रन) और इसाबेला गेज (65 रन) ही क्रीज पर टिक सकीं। अब भारतीय महिला टीम अपने पहले वर्ल्ड कप खिताब के करीब पहुंच गई है।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

मर्डर से रातोंरात स्टार बनीं मल्लिका शेरावत

नहीं पीतीं शराब-सिगरेट, नहीं करतीं थीं लेट नाइट पार्टियां

ऐसी अभिनेत्री, जिनके पूरे परिवार ने उनके एक्टिंग के फैसले का विरोध किया, लेकिन उनके मन में कुछ कर दिखाने की प्रबल जिज्ञासा थी, जो उन्हें चैन से बैठने नहीं देती थी। एक दिन उन्होंने ठान लिया कि वह अपनी जिंदगी अपने नियमों पर जिएंगी, भले ही परिवार का समर्थन मिले या नहीं। इसके लिए उन्होंने परिवार और घर छोड़ दिया और अपने करियर को नई उड़ान देने के लिए कदम बढ़ाया। यह कहानी है फिल्म मर्डर से रातोंरात स्टार बनने वाली मल्लिका शेरावत की।

मल्लिका ने अपनी मेहनत और बेबाकी से बॉलीवुड में एक खास पहचान बनाई। आज दुनिया उन्हें सम्मान देती हैं, लेकिन उनके मन में एक मलाल हमेशा रहता है कि उनके परिवार ने कभी यह नहीं कहा कि उन्हें उन पर गर्व है। यह हरियाणा की उस लड़की की प्रेरक कहानी है, जिसने परिवार के विरोध को दरकिनार कर हिंदी सिनेमा में अपना नाम रोशन किया।मल्लिका शेरावत एक ऐसी अभिनेत्री हैं, जिन्होंने फिल्मों में अपने सीन के लिए खूब तालियां बटोरीं। हालांकि, उन्हें कई बार ऐसी चीजों से दो चार होना पड़ा, जो हिंदी सिनेमा में हर दूसरी अभिनेत्री को होना पड़ा। लेकिन, मल्लिका कहती हैं उन्हें कभी इस बात का फर्क नहीं पड़ा। उन्हें एक्टिंग से प्यार है और वह खुद को लकी मानती हैं कि उन्होंने हिंदी सिनेमा में अच्छी फिल्मों में काम किया।

छोटे से गांव से निकलकर बालीवुड तक का सफ

एक इंटरव्यू में हरियाणा के एक छोटे से गांव से निकलकर बॉलीवुड और हॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली मल्लिका ने अपने संघर्ष, सपनों और बेबाकी को साझा किया। 24 अक्टूबर 1976 को जन्मी मल्लिका शेरावत 48 साल की हो चुकी हैं, लेकिन आज भी वह 20 साल की लगती हैं। उन्होंने अपनी खुबसुरती के बारे में बताया कि मैंने कभी प्लास्टिक सर्जरी नहीं करवाई। मैंने अपना जीवन अनुशासन से जिया है। इसीलिए, मुझे कभी जरूरत नहीं पड़ी। वह बताती हैं कि मैं हरियाणा से मुंबई आई, परिवार मेरे खिलाफ था, लेकिन मैंने अपनी मर्जी से कदम उठाया; मेरी जेब में 10 रुपए थे या नहीं, किसी ने नहीं पूछा। कोई लाल कालीन नहीं बिछा था। मल्लिका ने मॉडलिंग से शुरुआत की, अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान के साथ विज्ञापनों में काम किया और फिर ऑडिशन के बाद फिल्में मिलने लगीं। उन्होंने 2004 की ब्लॉकबस्टर फिल्म मर्डर को अपने करियर का टर्निंग पॉइंट बताया। मल्लिका ने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह इतनी बड़ी हिट होगी।

बिग बॉस 19:नेहल -बसीर के रिश्ते पर मालती ने उठाई उंगली, दोनों के बीच हुई जमकर बहस

बिग बॉस 19 दर्शकों को एंटरटेन करने का एक मौका नहीं छोड़ रहा है। घरवाले कभी चम्मच तो कभी खाना बनाने को लेकर लड़ रहे हैं, लेकिन अब रिलेशनशिप को लेकर घर में घमासान हो गया है। नेहल और बसीर के रिश्ते पर कल तक हर कोई पीठ-पीछे उंगली उठा रहा था, लेकिन अब आमने-सामने की लड़ाई हो गई है और वो भी मालती और नेहल के बीच। बिग बॉस के नए प्रोमो ने फैंस को एक्साइटेड कर दिया है। बिग बॉस 19 का नया प्रोमो सामने आया है, जिसमें नेहल और बसीर के रिश्ते पर मालती उंगली उठा रही है कि तुम दोनों हो कौन, दोस्त हो या उससे ज्यादा। ऐसे में नेहल और बसीर दोनों भड़क जाते हैं और कहते हैं कि तुम होती कौन हो, हमारे रिश्ते पर बात करने वाली, क्या तुम रिलेशनशिप एक्सपर्ट हो? लेकिन मालती का कहना है कि वो घर का हिस्सा हैं और उन्हें ये जानने का पूरा हक है। इस दौरान नेहल और मालती के बीच काफी बहस होती है और नेहल मालती को ÷डिसगस्टिंग वूमेन÷ कहती हैं। इसके अलावा शो में नेहल और फरहाना की दोस्ती भी टूट गई है। फरहाना ने नेहल से साफ कर दिया है कि वो उनके साथ कोई रिश्ता नहीं रखना चाहती हैं। वो नेहल से कहती हैं, ÷मुझे लगता है कि अब आगे चीजें वैसी नहीं चल पाएंगी, क्योंकि मैं नहीं चाहती कि तुम मेरे लिए कुछ करो और मुझे प्राथमिकता दो, तो चीजों को यहीं खत्म करते हैं।÷

मेट्रो बाजार

जीएसटी में बदलाव से त्रिपुरा की अर्थव्यवस्था को बड़ा बूस्ट

नई दिल्ली। सरकार ने कहा कि जीएसटी दरों में हालिया कटौती से त्रिपुरा के हैंडलूम, चाय, रेशम उत्पादन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों की लागत कम हो रही है और बाजार तक पहुंच बढ़ रही है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, ये सुधार रीसा और पचरा-रिग्नाई वस्त्रों से लेकर त्रिपुरा क्वीन अनानास उत्पादों और रेशम उत्पादन उद्योग को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं और आदिवासी महिलाओं, कारीगरों और छोटे किसानों को सशक्त बना रहे हैं। साथ ही मूल्यवर्धन और निर्यात को भी बढ़ावा देते हैं।

जीआई-टैग वाले रीसा और पचरा-रिग्नाई वस्त्रों पर ये कटौती लागू हुई है, जिससे हथकरघा उद्योग से जुड़े 1.3 लाख से अधिक परिवारों को लाभ होगा, साथ ही इन कपड़ों से बने सिले हुए परिधानों को भी लाभ होगा, जिससे स्थानीय रूप से बुने हुए कपड़ों की मूल्य प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। जीएसटी में हालिया संशोधनों ने इस पारंपरिक शिल्प को और बढ़ावा दिया है। अब कपड़ों पर जीएसटी लगभग 5 प्रतिशत हो गया है और 2,500 रुपए तक के सिले हुए परिधानों को पहले के 12 प्रतिशत कर स्लैब से हटाकर 5 प्रतिशत कर स्लैब में डाल दिया गया है। बयान में कहा गया है कि सिले हुए रीसा-आधारित परिधानों पर 7 प्रतिशत की यह कटौती ग्रामीण महिलाओं के लिए आय के अवसरों को बढ़ाएगी और साथ ही राज्य की सांस्कृतिक विरासत को भी संरक्षित करेगी।

यूपीआई ने बनाया रिकॉर्ड, एक दिन में हुआ 1.02 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) प्लेटफॉर्म से 18 अक्टूबर यानी धनतेरस के दिन 1.02 लाख करोड़ रुपए के लेनदेन हुए हैं और इस दौरान लेनदेन की संख्या 75.4 करोड़ रही है, जो कि एक दिन में लेनदेन का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। वित्त मंत्री ने कहा कि धनतेरस से दीपावली के तीन दिनों के दौरान यूपीआई पर औसत लेनदेन की संख्या 73.69 करोड़ रही है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 64.74 करोड़ थी।

उन्होंने आगे कहा कि इस साल खुदरा विक्रेताओं के लिए दीपावली धमाकेदार रही है और जीएसटी दरों में कटौती से खपत में बढ़ोतरी हुई है, जिससे मध्यम वर्ग को इस त्योहारी सीजन में अपने बजट में ही अधिक शॉपिंग करने का मौका मिला है। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि लैब में तैयार हीरों से लेकर कैजुअल वियर और घरों को सजाने वाले उत्पादों तक, बाजार के बड़े और प्रीमियम दोनों सेगमेंट में तेजी आई। वित्त मंत्री ने आगे कहा, इस सुधार ने स्लैब को युक्तिसंगत बनाकर और विभिन्न उपभोक्ता वस्तुओं पर दरें कम करके, परिवारों के लिए ठोस बचत प्रदान की है, जिससे खर्च योग्य आय बढ़ी है और मांग को प्रोत्साहित करने में मदद की है। अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (कैट) के अनुसार, नवरात्री से लेकर दीपावली तक चलने वाले फेस्टिव सीजन में गुड्स की बिक्री रिकॉर्ड 5.40 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान करीब 65,000 करोड़ रुपए की सर्विसेज भी ग्राहकों की ओर से खरीदी गई हैं।

रोहतांग दर्रा खुला: पर्वतीय इलाकों में कहीं बारिश तो कहीं बर्फबारी, उमड़ने लगे पर्यटक

मनाली. हिमाचल प्रदेश का रोहतांग दर्रा पर्यटकों के लिए खुल गया। क्षेत्र में पर्यटकों को ताजा बर्फबारी के बाद बर्फ से ढके पहाड़ों और मनोहारी प्राकृतिक नजारों का आनंद लेते हुए देखा गया।

जीतने पर 'मतदाता अधिकार यात्रा' को श्रेय देने की होगी कोशिश

तेजस्वी को सीएम फेस बनाने पर इसलिए मानी कांग्रेस... हार हुई तो ठीकरा राहुल के सिर नहीं

पटना/नई दिल्ली, दोपहर मेट्रो

लम्बे समय तक तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं घोषित करने वाली कांग्रेस अचानक कैसे मान गई। इसे लेकर चर्चाएं चल रही हैं। यह सब उस होटल लॉबी में लगे एक पोस्टर से शुरू हुआ जहां, महागठबंधन की पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई थी। चूंकि उस पोस्टर पर केवल तेजस्वी यादव की तस्वीर थी और 'बिहार माँगे तेजस्वी सरकार' का नारा लिखा था, इसलिए साफ था कि महागठबंधन का बाकी अभियान राजद का ही होगा। वीआईपी और सीपीआई जैसे अन्य सहयोगी दल भी यही चाहते थे। हालांकि, कांग्रेस चुप रही।

देश की सबसे पुरानी पार्टी को आखिरकार अपने सहयोगियों के दबाव में आकर तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री और वीआईपी के नए चेहरे मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री घोषित करना पड़ा।

राहुल गांधी प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद नहीं थे, जो साफ दिखा। लेकिन कांग्रेस के अनुसार, इसके पीछे एक वजह है। हालांकि आधिकारिक तौर पर यह रुख है कि ये राज्य स्तर के चुनाव हैं और इसलिए राहुल गांधी राज्य के नेताओं को नेतृत्व करने देंगे, लेकिन असल में पार्टी बिहार की राजनीति के नक्शे पर उनकी मौजूदगी को कम करके दिखाना चाहती है ताकि गठबंधन के न जीतने की स्थिति में उन्हें सुरक्षित रखा जा सके।

अरविंद केजरीवाल की हार का मामला

अरविंद केजरीवाल की हार को कई इंडिया ब्लॉक सहयोगियों ने कांग्रेस की भाजपा की मदद करने की साजिश के तौर पर देखा था। बिहार में राजद कोई चांस नहीं लेना चाहती थी और इसलिए उसने कांग्रेस को यह स्पष्ट कर दिया कि उसे थोड़ा शांत रहना होगा। लालू प्रसाद यादव ने मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी से कहा कि वह कांग्रेस कार्यकर्ताओं की उम्मीदों को समझते हैं, लेकिन यह उनके बेटे तेजस्वी के लिए करो या मरो वाला चुनाव है।

मान ली राजद की बात

कांग्रेस ने राजद के इस तर्क को स्वीकार कर लिया और पीछे हटने का फैसला किया। भाजपा के लिए यह इस बात का संकेत है कि इस सबसे पुरानी पार्टी ने अपना स्वाभिमान और सम्मान खो दिया है। लंबे समय में ऐसे कदम कांग्रेस की अखंडता और अस्तित्व को खतरे में डालते हैं। ये पार्टी की आगे बढ़कर नेतृत्व करने और अपने सहयोगियों की छाया से बाहर निकलने की क्षमता पर भी सवाल उठाते हैं।

कांग्रेस की अग्नि परीक्षा

बिहार कांग्रेस के लिए एक अग्निपरीक्षा है। बिहार चुनाव में जीत अहम होगा क्योंकि यह राहुल गांधी की 'मतदाता अधिकार यात्रा' पर एक मुहर होगी। हालांकि, कांग्रेस चाहती है कि तेजस्वी यादव आगे से नेतृत्व करें ताकि अगर महागठबंधन हार जाता है तो वह खुद को किसी भी दोष से बचा सके।

रंजन पाठक के एनकाउंटर के बाद खुलासे

जज और जल्लाद बनकर बेरहम फैसले सुनाता था कुख्यात गैंगस्टर

नई दिल्ली, दोपहर मेट्रो

राजधानी दिल्ली में बिहार के रंजन पाठक समेत चार मोस्ट वांटेड क्रिमिनल के एनकाउंटर के बाद कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। इस बार जो खुलासा हुआ है उसने पुलिस से लेकर न्यायालय तक को हिलाकर रख दिया है। दरअसल, रंजन पाठक सिंडिकेट जज, जूरी और जल्लाद की भूमिका निभाता था और बेरहम फैसले सुनाता था जिससे एजेंसियों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। ÷इतने मर्डर करो, इतनी गोली मारो कि एसपी का ट्रांसफर हो जाए ÷ , यही वो इंटरसेप्टेड फोन कॉल थी जिसने तीन महीने पहले रंजन और उसके गिरोह, सिग्मा एंड कंपनी, की कई राज्यों में जोरदार तलाश शुरू कर दी थी।

हर हत्या के बाद प्रेस रिलीज

गिरोह जहां अपने तरीके से न्याय कर रहा था, वहीं रंजन हर हत्या के बाद प्रेस विज्ञप्ति जारी करके, अपराध करने के कारणों का विवरण देकर कानून प्रवर्तन एजेंसियों को हैरान कर रहा था। उनकी विज्ञप्तियों के लेटरहेड पर एक आदर्श वाक्य लिखा था -न्याय, सेवा, सहयोग। पुलिस को ठेंगा दिखाते हुए, उन्होंने नोट के अंत में लिखा इसलिए, उस व्यक्ति को मौत की सजा सुनाई जाती है। रंजन पाठक का मोस्ट वांटेड गैंगस्टर के रूप में उदय त्वरित और अप्रत्याशित था। एक साधारण परिवार में जन्मे, उनके पिता, मनोज पाठक, एक राजस्व कर्मचारी थे और स्थानीय राजनीति में सक्रिय थे। उसकी मां विमला देवी, स्थानीय पंचायत की सरपंच के रूप में कार्यरत थीं। उसका पढ़ाई में बिल्कुल मन नहीं लगता था और वह मैट्रिक की परीक्षा में फेल हो गया था।

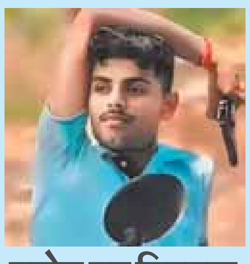

बुलेट पर पिस्टल लहराते फोटो

इंस्टाग्राम पर रंजन की मौजूदगी उसकी क्रूरता का एक और गवाही दे रहा है। 302 (हत्या के लिए आईपीसी की धारा) पर समाप्त होने वाली एक आईडी के साथ सक्रिय, वह हर अपराध के बाद रील पोस्ट करता था, जिसमें वह अपनी पसंदीदा बुलेट मोटरसाइकिल पर और पिस्तौल लहराते हुए दिखाई देता था। इनमें से एक अकाउंट के इंटरनेट प्रोटोकॉल डिटेल रिकॉर्ड विश्लेषण से पुलिस को पता चला कि वह नेपाल सीमा से दिल्ली आ गया था। सीतामढ़ी की पुलिस ने दिल्ली में अपने समकक्षों से संपर्क किया।

तालिबान का पाकिस्तान को अल्टीमेटम

सहनशीलता की सीमा खत्म चीन हो सकता है मध्यस्थ

काबुल, एजेंसी

तालिबान लगातार पाकिस्तान को पड़ोसी देशों के बीच घेरने में लगा हुआ है। तालिबान के उप विदेश मंत्री नईम वर्दक ने पाकिस्तान पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि पिछले चार वर्षों में पाकिस्तान ने तालिबान प्रशासन की सहनशीलता की परीक्षा ली है। तालिबान के विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, तालिबान के उप विदेश मंत्री नईम वर्दक ने अफगानिस्तान के लिए चीन के विशेष दूत यू शियाओयोंग से कहा कि पाकिस्तान ने पिछले चार वर्षों में तालिबान प्रशासन के धैर्य की परीक्षा ली है।

काबुल में आयोजित बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों और तालिबान और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव पर अहम बातचीत की है। अफगान विदेश मंत्रालय ने वर्दक के हवाले से कहा कि तालिबान बातचीत के जरिए विवादों को सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन पिछले चार वर्षों में पाकिस्तान की कार्रवाइयों ने काबुल को उसी तरह जवाब देने के लिए मजबूर किया है।

तालिबान के बयान में कहा गया है कि यू शियाओयोंग ने तालिबान के उप-विदेश मंत्री वर्दक से कहा कि बीजिंग, तालिबान और पाकिस्तान के बीच विवादों को कम करने में रचनात्मक भूमिका निभाना चाहता है। चीनी दूत ने कतर और तुर्की के मध्यस्थता प्रयासों की भी प्रशंसा की, जिससे दोनों पड़ोसी देशों को हाल ही में हुए युद्धविराम समझौते तक पहुंचने में मदद मिली है। वर्दक ने इस दौरान चीन के सहयोग और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक संबंध और साझा हित मौजूद हैं। उन्होंने दोहराया कि तालिबान प्रशासन सभी देशों के साथ पारस्परिक सम्मान के आधार पर संबंध बनाने का इच्छुक है और अफगान क्षेत्र का उपयोग किसी अन्य देश को धमकाने के लिए नहीं किया जाएगा।

दहेज मामले के तीन आरोपियों को केरल की एक कोर्ट ने किया बरी

केरल, एजेंसी

केरल की विशेष सीबीआई अदालत ने दहेज मामले में श्रीकांत जयचंद्र मेनन और उनके माता-पिता को बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि सीबीआई आरोपों को साबित करने में विफल रही। महिला ने कनाडा में शारीरिक अत्याचार और नशीली दवाओं के सेवन का दावा किया था, लेकिन मेडिकल सबूतों और जांच में इसे साबित नहीं किया जा सका। केरल की एक विशेष सीबीआई अदालत ने दहेज मामले में तीन व्यक्तियों को बरी कर दिया। साथ ही मामले में सीबीआई को जांच को लेकर फटकार भी लगाई है। अदालत ने कहा कि सीबीआई आरोपों को साबित करने में विफल रही। बरी किए गए लोगों में श्रीकांत जयचंद्र मेनन, उनके पिता जयचंद्रन टीके और मां बीना जयचंद्रन शामिल हैं।

फ्लाइट में मराठी न बोलने पर क्लेश, भड़की महिला ने दी धमकी

महाराष्ट्र, एजेंसी

फ्लाइट के अंदर सफर करने वालों से शांत और सभ्य होने की उम्मीद की जाती है। लेकिन इंटरनेट पर वायरल एक वीडियो में एक महिला पैसेंजर ने दूसरे पैसेंजर को इस बात के लिए धमका डाला है कि वो महाराष्ट्र जा रहा है और उसे मराठी क्यों नहीं आती? ऐसे में बंदे ने भी महिला की वीडियो बना जमकर उससे बहस की है। जिसके जवाब में प्लेन में बैठी महिला भी शख्स को 'तू मुंबई उतर, मैं दिखाती हूं तुझे बदतमीजी क्या होती है?' कह देती है। इस बात से घबराकर बंदा सेल्फी कैम पर अपनी वीडियो बनाता है और इंटरनेट पर डाल देता है। जिसे देखने के बाद अब एयर इंडिया से उस पैसेंजर के

खिलाफ सख्त एक्शन की डिमांड हो रही है। महिला ने एक कार कंपनी की टी-शर्ट पहनी हुई है जिसके चलते यूजर्स उस कंपनी से भी जवाब मांग रहे हैं।

प्लेन के अंदर महिला शख्स को कहती है कि 'मेरा कुछ भी नाम हो, अगर तुम मुंबई जा रहे हो, तो तुम्हें मराठी आनी चाहिए।' इस बात के जवाब में बंदा कहता है कि 'नहीं, मैं नहीं बोलूंगा मराठी।' इसके बाद बहस के बीच ही शख्स केबिन क्रू को बुला लेता है। उसके बदतमीजी के आरोप पर महिला कहती है कि 'तू मुंबई उतर, मैं तुझे दिखाती हूं कि बदतमीजी क्या होती है?' इस पर शख्स सेल्फी कैमरा पर वीडियो बनाते हुए कहता है कि 'एयर इंडिया में ऐसे लोग ट्रेवल कर रहे हैं, जो स्पष्ट रुप से मुझे धमका रहे हैं और कह रहे है कि मुंबई जा रहे हो, बदतमीजी क्या होती है, तुम्हें वहां बताएंगे।' वीडियो के अंत में शख्स इस मानसिकता पर सवाल उठाता है।

स्मृति शेष

'अबकी बार मोदी सरकार' लिखने वाले एड गुरु पीयूष पांडे नहीं रहे

'हमारा बजाज' और 'कुछ खास है जिंदगी में' से हुए थे मशहूर

मुंबई, एजेंसी

एड गुरु पद्मश्री पीयूष पांडे का 70 साल की उम्र में मुंबई में निधन हो गया। पीयूष ने अबकी बार मोदी सरकार नारा लिखा था। इसके अलावा, मिले सुर मेरा तुम्हारा गाना लिखा था। मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे गंभीर संक्रमण से जूझ रहे थे। अंतिम संस्कार आज मुंबई में किया जाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। पीएम लिखा, पीयूष पांडे क्रिएटिविटी के लिए जाने जाते थे। एडवर्टाइजिंग की दुनिया में उन्होंने शानदार योगदान दिया। मैं उनके साथ हुई बातचीत को सालों तक संजोकर रखूंगा। उनके दुनिया से जाने से बहुत दुखी हूं। उनके परिजन के साथ मेरी संवेदनाएं हैं।

पीयूष 27 साल की उम्र में विज्ञापन जगत से जुड़ गए थे। उन्होंने शुरुआत अपने भाई प्रसून पांडे के साथ की। दोनों ने रोजमर्रा के उत्पादों के लिए रेडियो जिंगल्स की आवाज दी थी। 1982 में विज्ञापन कंपनी ओगिल्वी से की। 1994 में उन्हें ओगिल्वी के बोर्ड में नॉमिनेट किया गया। पीयूष को 2016 में भारत सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा, 2024 में उन्हें लीजेंड अवॉर्ड भी मिला।

पीयूष के 5 मशहूर ऐड कैम्पेन

फेविकॉल का ट्रक वाला विज्ञापन साल 2007 में आया था। इसमें एक साधारण चिपकाने वाले गोंद को पीयूष ने ऐसा बदला कि हर घर में फेमस हो गया। विज्ञापन में एक ट्रक के ऊपर ढेर सारे लोग बैठे हुए होते हैं और ऊबड़ खाबड़ सड़क पर वह गिरते नहीं और गाड़ी चलती रहती है। इस एड ने ग्लू को फेविकोल में बदल कर रख दिया। ना सिर्फ इस एड को कई अवॉर्ड मिले बल्कि दर्शकों के दिलों में यह छप गया।

कैडबरी का क्रिकेट वाला विज्ञापन साल 2007 में आया था। इसमें भारतीय क्रिकेट के लिए प्यार दिखाया गया है। एक बच्चा छक्का मारकर खुशी से नाचने लगता है, तो पूरा मोहल्ला उसके साथ झूम उठता है। पांडे की आवाज ने इसे और भी मजेदार बना दिया। वहीं कुछ खास है जिंदगी में! लाइन ने लोगों से जोड़ दिया।

एशियन पेंट्स का हर घर कुछ कहता है साल 2002 में आया विज्ञापन हर घर कुछ कहता है। 2002 में एक परिवार की कहानी बताई गई, जहां पिता की यादें दीवारों पर जीवित हो उठती हैं। टैगलाइन हर घर कुछ कहता है ने लाखों घरों को छुआ और एशियन पेंट्स मार्केट लीडर बन गया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564